राष्ट्रीय हिंदी/अंग्रेज़ी दैनिक

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

नई दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, एनसीआर, नूंह से प्रकाशित

संपादक अभयसिंह सैनी

9992904845,8059956005

वर्ष : 03 | अंक : 76 | नूंह, मंगलवार 17 दिसंबर 2024 | आर एन आई नंबर : HARBIL/2022/87426 | मूल्य : 2 रूपए | पेज : 08

mewatnewsexpress11@gmail.com

दिल्ली-एनसीआर में फिर ग्रेप-3 लागू, वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में पहुंची, पांचवी कक्षा तक स्कूल को हाइब्रिड मोड पर चलाना होगा

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की उप समिति ने लिया निर्णय

एजेंसी ▶▶। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में एयर इंडेक्स बेहद खराब श्रेणी में 374 पहुंच गया है। इसके मद्देनजर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की उप समिति ने एनसीआर में ग्रेप तीन के प्रतिबंधों को लागू कर दिया है। इसके तहत एनसीआर में बीएस-3 पेट्रोल व बीएस-4 इंजन वाले चार पहिया वाहनों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। वहीं बीएस-4 डीजल इंजन वाले माल वाहक वाहनों के भी दिल्ली में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही स्कूलों में पांचवीं कक्षा तक हाईब्रिड मोड में कक्षाएं चलाने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रेप तीन के ये प्रावधान सीएक्यूएम ने तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है और संबंधित एजेंसियों को इस पर अमल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

बीएस-3 पेट्रोल व बीएस-4 इंजन वाले चार पहिया वाहनों के इस्तेमाल पर रोक

बीएस-4 डीजल इंजन वाले माल वाहक वाहनों के भी दिल्ली में प्रवेश पर रोक

अस्पताल, रेल मेट्रो परियोजनाओं को छूट

सीएक्यूएम के आदेश के अनुसार नौ सूत्री प्रतिबंध लागू होंगे। इसके तहत अधिक प्रदूषण फैलाने वाले निर्माण और तोड़फोड़ से जुड़े कार्य बंद रहेंगे। अस्पताल, रेल, मेट्रो इत्यादि आवश्यक सेवाओं से जुड़ी परियोजनाओं को छूट दी गई है। इसके अलावा निर्माण सामग्री ढोने वाले वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा। सभी स्टोन क्रशर बंद हो जाएंगे। खनन और उससे जुड़ी गतिविधियों पर रोक रहेगी।

जरूरी सेवाओं से जुड़े वाहनों को मिलेगी छूट

दिल्ली में पंजीकृत बीएस-4 या उससे कम मानक के डीजल इंजन एमजीवी (मीडियम गुड्स व्हीकल) का राष्ट्रीय राजधानी में परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। सिर्फ जरूरी सेवाओं से जुड़े वाहनों को इससे छूट दी गई है। दिल्ली के बाहर पंजीकृत बीएस-4 या उससे कम मान के डीजल इंजन के हल्के व्यवसायिक वाहनों का दिल्ली में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

दिव्यांगों को रहेगी व्यक्तिगत छूट

एनसीआर में बीएस-3 पेट्रोल व बीएस-4 इंजन वाले चार पहिया एलएमवी (लाइट मोटर व्हीकल) पर प्रतिबंध रहेगा। इसलिए एनसीआर में बीएस-3 पेट्रोल व बीएस-4 डीजल इंजन कार का इस्तेमाल लोग नहीं कर पाएंगे। सिर्फ दिव्यांग लोगों को व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए इस प्रतिबंध से छूट दी गई है।

अभिभावक तय करेंगे बच्चे स्कूल जाएं या नहीं

दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद व गौतम बुद्ध नगर में स्कूलों को पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई हाइब्रिड मोड में करना होगा। इस नियम का पालन अनिवार्य है। अभिभावक व बच्चे यह तय कर सकते हैं कि ऑनलाइन पढ़ाई करनी है या स्कूल में क्लास करना है। दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद व गौतम बुद्ध नगर में सरकारी दफ्तरों व सिविक एजेंसियों के कार्यालय शुरू व बंद करने का समय अलग-अलग समय पर निर्धारित करना होगा। एनसीआर के दूसरे जिलों में भी राज्य सरकारें चाहें तो स्कूलों में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से क्लास संचालित करा सकती हैं और कार्यालयों के शुरू और बंद होने का समय अलग-अलग निर्धारित कर सकती हैं।

प्रदूषित शहरों की मांगी सूची

सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका के दायरे को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से बाहर पूरे देश में विस्तार करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि वायु प्रदूषण केवल एक क्षेत्रीय समस्या नहीं है। बल्कि एक राष्ट्रीय संकट है। जिसे तत्काल और समग्र दृष्टिकोण से संबोधित किया जाना चाहिए। अन्य प्रमुख प्रदूषित शहरों की सूची बनाकर उनके लिए भी उपाय किए जाएं।

खबर संक्षेप

पीएम आज परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी राजस्थान सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर मंगलवार, 17 दिसंबर को जयपुर के दादिया गांव मे आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम 'एक वर्ष-परिणाम उत्कर्ष' में भाग लेंगे। पीएम मोदी 46,300 करोड़ से अधिक की ऊर्जा, सड़क, रेलवे और जल से संबंधित 24 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। वे 11,000 करोड़ से अधिक की 9 परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, जिसमें 7 केंद्र सरकार की परियोजनाएं और 2 राज्य सरकार की परियोजनाएं शामिल हैं।

गायक पंडित संजय राम मराठे का निधन

ठाणे। शास्त्रीय गायक और हारमोनियम वादर पंडित संजय राम मराठे नहीं रहे। 68 वर्ष की आयु में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। सामने आई जानकारी के मुताबिक दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हुआ है। संजय राम मराठे, संगीत भूषण पंडित राम मराठे के बड़े पुत्र थे। मराठे का का निधन महाराष्ट्र के ठाणे शहर के एक अस्पताल में हुआ। उनके परिवार ने सोमवार को यह जानकारी दी। उनके परिवार के सदस्यों ने बताया कि संजय राम मराठे को दिल का गंभीर दौरा पड़ा। इसके बाद उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कुए से निकली मां पार्वती की खंडित मूर्ति

संभल। 46 साल से बंद पड़े मंदिर के पास कुएं की खुदाई के दौरान एक खंडित मूर्ति मिली है। इस मां पार्वती की मूर्ति बताया जा रहा है। हाल ही में प्रशासन ने इस मंदिर को अतिक्रमण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान खोला था। जलाभिषेक के लिए जब श्रद्धालु पहुंचे तो उन्हें खंडित मूर्ति मिली। मूर्ति को स्थानीय पुलिस के आला अधिकारी थाने में लेकर चले गए हैं। बता दें कि कुए की करीब 20 फीट तक खुदाई हो चुकी है। मौके पर एडिशनल एसपी श्रीशचंद्र और सीओ अनुज चौधरी पहुंचे और जांच के लिए कहा।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने गांधी परिवार पर बोला हमला

ये महज चिट्ठियां नहीं, प्रधानमंत्री म्यूजियम मेमोरियल लाइब्रेरी के हैं दस्तावेज: पात्रा

▶▶। नई दिल्ली

भाजपा ने प्रधानमंत्री म्यूजियम मेमोरियल लाइब्रेरी में रखी नेहरू-माउंटबेटन, बाबू जगजीवन राम और जय प्रकाश नारायण के मध्य संवाद की अहम चिट्ठियों को यूपीए सरकार के दौरान सोनिया गांधी के घर भेजे जाने की आलोचना की। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद डॉ. संबित पात्रा ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि ये महज चिट्ठियां नहीं हैं, यह ऐतिहासिक दस्तावेज भी हैं और इनमें किस प्रकार की बात-चीत हुई, यह देश को जानने का अधिकार है। भाजपा भी यह कहना चाहती है कि देश की धरोहर को सोनिया गांधी जी तुरंत वापस करें।

इसकी यह भी जांच होनी चाहिए कि जितनी चिट्ठियां वापस गई थीं, क्या उतनी ही चिट्ठियां वापस आईं या नहीं? पात्रा ने कहा कि मीडिया और अखबारों में प्रधानमंत्री संग्रहालय से संबंधित एक गंभीर मुद्दा चर्चा में है। वर्ष 1964 में दिल्ली के तीन मूर्ति मार्ग पर स्थित जवाहरलाल नेहरू म्यूजियम और लाइब्रेरी, जिसे अब प्रधानमंत्री संग्रहालय के रूप में जाना जाता है, जिसमें भारत के प्रधानमंत्रियों से जुड़ी ऐतिहासिक सामग्रियां संजोई गई हैं। प्रधानमंत्री संग्रहालय का प्रबंधन प्राइम मिनिस्टर मेमोरियल ट्रस्ट के 29 सदस्यों की टीम के अधीन है। फरवरी 2024 में ट्रस्ट की एक बैठक हुई थी, जिसमें एक महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया। इस तथ्य में यह बताया गया कि पं. नेहरू द्वारा विभिन्न व्यक्तियों और हस्तियों को लिखे गए पत्रों को 1971 में प्रधानमंत्री संग्रहालय को दिए गए थे। लेकिन वर्ष 2008 में तत्कालीन यूपीए की अध्यक्षा सोनिया गांधी के निर्देश पर एम.वी. राजन नामक प्रतिनिधि ने इन पत्रों का निरीक्षण कर उन्हें चिन्हित किया। इसके बाद, 5 मई 2008 को संग्रहालय के तत्कालीन निदेशक से अनुमति लेकर नेहरू के पत्रों को 51 डिब्बों में संग्रहित करके सोनिया गांधी के घर ले जाया गया।

भाजपा चाहती है सोनिया गांधी चिट्ठियां वापस करें, मामले की हो जांच

ऐतिहासिक दस्तावेज, देश को जानने का अधिकार

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि इन पत्रों में कई ऐतिहासिक और अहम संवाद शामिल हैं, जैसे एडविना माउंटबेटन, लोकनायक जयप्रकाश नारायण जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया था और बाबू जगजीवन राम से संबंधित अहम पत्राचार। जब प्रधानमंत्री संग्राहलय की समिति नेहरू के पत्राचार के विषय पर बैठक कर रहीं थी, तो उन्होंने एक कानूनी सुझाव लेने के बारे में सोचा क्योंकि यह केवल चिट्ठियां नहीं हैं, यह ऐतिहासिक दस्तावेज हैं और इनमें किस प्रकार की बातचीत हुई, यह देश को जानने का अधिकार है। यह किसी की निजी संपत्ति नहीं है क्योंकि 1971 में इन्हें दान किया गया था और राष्ट्रीय धरोहर में शामिल किया गया था। यह म्यूजियम का एक हिस्सा था और जिस प्रकार म्यूजियम से कोई भी मूर्ति ले जाना न्यायोचित नहीं है, ठीक उसी प्रकार चिट्ठियां ले जाना भी क्या न्यायोचित है?

ये चिट्ठियां परिवार की विरासत नहीं

डॉ. पात्रा ने कहा कि यह इतिहास की विरासत है, किसी परिवार की अपनी विरासत नहीं। ये चिट्ठियां भले ही किसी के दादा जी या पिता जी ने लिखी हों, लेकिन इससे यह उनकी निजी संपत्ति नहीं हो जाती। देश के इतिहास को अच्छी तरीके से समझने और जानने के लिए यह अनिवार्य है कि आप इन चिट्ठियों का संकलन करें, उनका अध्ययन करें और देश को पढ़ाएं। 2010 से इन सभी चिट्ठियों का डिजिटलीकरण होना था।

नेहरू के माउंटबेटन, जयप्रकाश नारायण को लिखे गए पत्रों को लेकर लोकसभा में हुआ हंगामा

पूर्व पीएम जवाहर लाल नेहरू के एडविना माउंटबेटन, जयप्रकाश नारायण और बाबू जगजीवन राम को लिखे गए पत्रों को प्रधानमंत्री संग्रहालय से हटाने के मामले की गूंज जोरदार अंदाज में सोमवार को लोकसभा में सुनाई दी। सुबह प्रश्नकाल के साथ शुरू हुई सदन की कार्यवाही में भारतीय जनता पार्टी के सांसद संबित पात्रा ने केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मामले पर सवाल पूछा कि क्या मंत्रालय द्वारा पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू से जुड़े हुए दस्तावेजों को जांच कर संग्रहालय में वापस लाया जाएगा? उन्होंने अपने प्रश्न में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का नाम सहित उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि उनके निर्देश पर ही इन तमाम दस्तावेजों को कई बक्सों में भरकर संग्रहालय से कहीं ओर ले जाया गया था। अब ये कहां रखे गए हैं, इसकी कोई जानकारी नहीं है। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सांसद द्वारा मामले पर दिए गए सुझाव को उन्होंने लिखित रूप से नोट कर लिया है। इस पर यथोचित कार्रवाई की जा सकती है। उधर, पात्रा के प्रश्न के साथ ही सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर वाद-विवाद शुरू हो गया।

पीएमएमएल ने राहुल को लिखा पत्र: वहीं, प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) सोसाइटी के सदस्य रिजवान कादरी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया है कि इन दस्तावेजों को संस्था को वापस लौटाएं। यह दस्तावेज भारत के इतिहास के अहम पहलू हैं। इन्हें कथित तौर पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के आदेश पर संग्रहालय से वापस ले लिया गया था। कादरी ने सितंबर महीने में इस संबंध में सोनिया गांधी से भी आग्रह किया था।

ईवीएम पर 'बंटा' इंडिया गठबंधन

टीएमसी ने दिखाया कांग्रेस को आईना कहा- दिखाओ कैसे हैक होती है ईवीएम

एजेंसी ▶▶। कोलकाता

हरियाणा के बाद महाराष्ट्र चुनाव में भी पराजित होने के बाद ईवीएम को कोसने वाली कांग्रेस और शिवसेना को उमर अब्दुल्ला के बाद सीएम ममता बेनर्जी के भतीजे व तृणमूल महासचिव व सांसद अभिषेक बेनर्जी ने भी आईना दिखा दिया। इसके साथ ही इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर भी आईएनडीआईए ब्लॉक में मतभेद सोमवार को और उजागर हो गया। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बेनर्जी ने ईवीएम से छेड़छाड़ के कांग्रेस के दावों पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाए।

उन्होंने आरोपों को बेतरतीब बयान बताते हुए खारिज कर दिया और ऐसे दावे करने वालों से भारतीय चुनाव आयोग के सामने हैकिंग प्रक्रिया का प्रदर्शन करने का आग्रह किया। अभिषेक ने कहा कि ईवीएम पर सवाल उठाने वालों को चुनाव आयोग के पास जाना चाहिए और डेमो कर बताना चाहिए कि वोटिंग मशीन हैक कैसे हो सकती है। अगर वोटिंग के दौरान बूथ पर मॉक पोल और काउंटिंग के दौरान इसकी चेकिंग की जाती है, ऐसे में आरोप नहीं लगाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ हो नहीं रहा है सिर्फ बयानबाजी हो रही है।

ईवीएम की शिकायत नहीं मिली

ईवीएम और आईएनडीआईए गठबंधन के नेतृत्व के मुद्दे पर कांग्रेस को लगातार चुनौती मिल रही है। तृणमूल सांसद अभषेक बेनर्जी ने ईवीएम के मुद्दे पर कांग्रेस को जमकर सुना दिया। उन्होंने कहा कि वह कई चुनावों में ग्राउंड पर काम करते रहे हैं। उन्हें ईवीएम से कभी शिकायत नहीं मिली। उन्होंने कहा कि जिन्हें ईवीएम पर शक है, वह प्रतिनिधिमंडल के साथ चुनाव आयोग के पास जाएं और डेमो देकर बताएं कि किस टेक्निक से मशीन को हैक किया जा सकता है।

उमर ने भी कांग्रेस पर उठाए थे सवाल

इससे पहले, जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने भी ईवीएम पर सवाल उठाने को लेकर कांग्रेस की आलोचना की थी। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि जब उसी ईवीएम से सौ से अधिक सांसद चुनकर आते हैं, तब आप उस जीत को सेलिब्रेट करते हैं, लेकिन कुछ ही महीनों बाद आप यह नहीं कह सकते कि ईवीएम सही परिणाम नहीं दे रहा है, क्योंकि, अब चुनाव नतीजे उस तरह नहीं आ रहे हैं जैसा हम चाहते हैं।

विजय दिवस पर लोकसभा में निशिकांत और प्रियंका के बीच हुई तीखी तकरार

कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने किया सदन से बहिर्गमन

▶▶। नई दिल्ली

विजय दिवस के मौके पर जहां एक ओर पूरा देश शहीदों को गर्व और सम्मान के साथ याद कर रहा है। वहीं, संसद में सोमवार को इसे लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर हंगामा हुआ। लोकसभा में कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने दोपहर 1 बजकर 3 मिनट पर शहीदों का अपमान नहीं सहेंगे, नहीं सहेंगे के नारे लगाते हुए सदन से बहिर्गमन किया। दरअसल शून्यकाल के दौरान सदन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के झारखंड के गोड्डा से सांसद निशिकांत दुबे ने अपने उद्धरण में कहा कि विजय दिवस का संबंध भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ष 1971 में लड़े गए युद्ध से है। जिसका परिणाम बांग्लादेश के निर्माण के रूप में हमारे सामने आया। भारत की मदद से वहां लोकतंत्र तो स्थापित किया गया। लेकिन युद्ध के बाद 93 हजार युद्ध बंदियों को रिहा किया गया और कांग्रेस ने नजरुल इस्लाम, बर्मा-संगमा परिवार, तत्कालीन रक्षा मंत्री बाबू जगजीवन राम की भूमिका को नकार दिया।

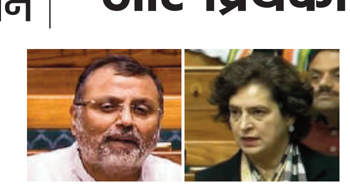

प्रियंका ने इंदिरा के नेतृत्व को सराहा

कांग्रेस की सांसद प्रियंका गांधी ने पलटवार करते हुए कहा कि विजय दिवस के मौके पर मैं देश की सेनाओं और महान शहीदों के साथ पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को नमन करना चाहती हूं। क्योंकि उन्होंने कठिन से कठिन परिस्थितियों में साहस दिखाते हुए देश को एक ऐसा नेतृत्व प्रदान किया। जिससे यह देश विजयी हुआ। वायनाड की नवनिर्वाचित सांसद ने भारत-बांग्लादेश युद्ध की जीत का श्रेय देश की आम जनता को भी दिया। उन्होंने कहा, जनसमर्थन के बिना यह संभव नहीं था। क्योंकि उस समय भारत पूरी दुनिया में अकेला खड़ा था और उसकी कहीं कोई सुनवाई नहीं थी। वहीं, हमारे बांग्लादेशी भाई-बहनों की आवाज कोई नहीं सुन रहा था। तब भारत की जनता एकजुट होकर अपनी सेना और राजनीतिक नेतृत्व के साथ खड़ी हुई। आज जब बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहे हैं। सरकार को आवाज उठाकर उन्हें समर्थन देना चाहिए।

शहीदों का सर्वोच्च बलिदान प्रेरणा और राष्ट्रीय गौरव का स्रोत: राष्ट्रपति मुर्मू

सशस्त्र सेनाओं की शीर्ष कमांडर ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

▶▶। नई दिल्ली

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित पूरे देश में सोमवार को भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ष 1971 में लड़े गए युद्ध की विजय दिवस के रूप में जोरशोर के साथ वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर सशस्त्र सेनाओं की शीर्ष कमांडर यानी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में उन्होंने कहा कि कृतज्ञ राष्ट्र उन बहादुरों के सर्वोच्च बलिदान को याद करता है। जिनकी कहानियां प्रत्येक भारतीय को प्रेरित करती हैं। यह राष्ट्रीय गौरव का स्रोत हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सैनिकों की वीरता और निस्वार्थ बलिदान को हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत बताते हुए कहा कि देश हमेशा उनकी सेवा का ऋणी रहेगा।

सैनिकों के संकल्प ने बढ़ाया गौरव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट में सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हुए कहा कि उनके निस्वार्थ समर्पण और अटूट संकल्प ने देश की रक्षा की और गौरव बढ़ाया। साथ ही उन्होंने विजय दिवस को वीर शहीदों की असाधारण वीरता और अडिग भावना को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय समर स्मारक पर जाकर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। राजनाथ ने कहा कि सैनिकों के साहस और देशभक्ति ने ये सुनिश्चित किया कि देश सुरक्षित रहे। इसलिए देश उनके सर्वोच्च बलिदान और सेवा को कभी नहीं भूलेगा। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, सीडीएस जनरल अनिल चौहान और सेना, वायुसेना और नौसेनाप्रमुख ने भी युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

एलजी ने सीएम आतिशी को लिखी चिट्ठी दिए निर्देश

14 लंबित सीएजी रिपोर्ट पेश करें विशेष विधानसभा सत्र भी बुलाएं

एजेंसी ▶▶। नई दिल्ली

दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (सीएजी) की लंबित 14 रिपोर्ट डेढ़ साल तक लंबित रही। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली की सीएम आतिशी को पत्र लिख कर दिल्ली विधानसभा की विशेष बैठक बुलाने की बात कही है। साथ ही इन्हें सदन के पटल पर रखने को कहा है। दिल्ली सरकार ने एलजी से इन रिपोर्ट को सदन में रखने की मंजूरी मांगी थी। सरकार की मांग पर एलजी ने उक्त रिपोर्ट को पटल पर रखने की मंजूरी दी।

दिल्ली में सपा नहीं उतारेगी उम्मीदवार

दिल्ली विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) उम्मीदवार नहीं उतारेगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्ली में आप को बिना शर्त समर्थन देने की बात कही है। आम आदमी पार्टी सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। आप के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल फिर चुनाव मैदान में हैं।

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज को भेजा नोटिस

दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की याचिका पर कोर्ट ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज को नोटिस जारी किया है। उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत का मामला दर्ज है। राउज ऐवन्यू कोर्ट ने बांसुरी स्वराज को नोटिस भेजा है। मामले की अगली सुनवाई 20 दिसंबर को होनी है। दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। जैन ने शिकायत में आरोप लगाया कि स्वराज ने पांच अक्तूबर 2023 को उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' बिल में रहेगा यह प्रावधान

लोकसभा और विधानसभा चुनाव अलग-अलग हो सकेंगे

एजेंसी ▶▶। नई दिल्ली

'वन नेशन, वन इलेक्शन' से जुड़ा विधेयक लोकसभा में मंगलवार को पेश हो सकता है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल इस विधेयक को लोकसभा के पटल पर रखेंगे। इसे संविधान (129वां संशोधन) विधेयक 2024 कहा जा रहा है। विधेयक को चर्चा के लिए संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) को भेजा जा सकता है। इस विधेयक में सेक्शन 2 के सब क्लॉज 5 में अलग से भी किसी राज्य में विधानसभा चुनाव कराए जाने का प्रावधान किया गया है। इसमें विशेष परिस्थितियों में लोकसभा और विधानसभा चुनाव अलग-अलग कराने के शर्त बताई गई है। उधर, भाजपा ने अपने सभी लोकसभा सांसदों को 17 दिसंबर को सदन में उपस्थित रहने के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। पार्टी ने कहा है कि इस दिन संसद के दोनों सदनों में महत्वपूर्ण विधायी कार्यों पर चर्चा होगी।

01 आज लोकसभा में कानून मंत्री पेश करेंगे विधेयक

02 भाजपा ने सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया

राष्ट्रपति जारी कर सकते हैं आदेश

संविधान संशोधन विधेयक में कहा गया है कि राष्ट्रपति यह आदेश जारी कर सकते हैं कि जो विधानसभा लोकसभा के साथ चुनाव नहीं करा सकती, उसके चुनाव बाद में कराए जा सकते हैं। संविधान (129वें) संशोधन विधेयक की धारा 2 उपधारा 5 के अनुसार, 'यदि चुनाव आयोग की राय है कि किसी विधानसभा के चुनाव, लोक सभा के चुनाव के साथ नहीं कराए जा सकते, तो वह राष्ट्रपति से इसकी घोषणा करने की सिफारिश कर सकता है कि उस विधानसभा के चुनाव बाद में कराए जा सकते हैं।' संविधान संशोधन विधेयक के जरिए संविधान में एक नया अनुच्छेद जोड़ने और तीन अनुच्छेदों में संशोधन करने की तैयारी है।

करने होंगे ये संशोधन

विधेयक में एक नया अनुच्छेद 82ए जोड़ने का प्रस्ताव है, जिसमें लोक सभा और सभी विधान सभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराना तथा अनुच्छेद 83 (संसद के सदनों की अवधि), अनुच्छेद 172 (राज्य विधान सभाओं की अवधि) और अनुच्छेद 327 (विधान सभाओं के चुनावों के संबंध में प्रावधान करने की संसद की शक्ति) में संशोधन किया जाएगा। इसमें यह भी प्रावधान है कि इसके अधिनियमित होने के पश्चात, आम चुनाव के बाद लोक सभा की पहली बैठक की तारीख को राष्ट्रपति द्वारा अधिसूचना जारी की जाएगी। अधिसूचना की वह तारीख ही नियत तिथि कहलाएगी। लोक सभा का कार्यकाल नियत तिथि से पांच वर्ष का होगा।

Better medical services should be provided in PSC

- Hanumakonda District Medical and Health Officer Dr. Appiah
- Uppal Primary Health Center Sudden Inspection Officer

Warangal, 16 December : Hanumakonda District Medical and Health Officer, Dr. Appiah, conducted a surprise inspection of the Uppal Primary Health Center (PHC) on Monday to evaluate the services provided to patients and ensure quality medical care. During the visit, Dr. Appiah inspected key areas, including the lab, pharmacy, operation theater, ward rooms, and outpatient (OP) services. He also assessed the general upkeep and cleanliness of the premises. Following this, he visited the Bhimpalli AYUSH Health Center to review its structure, surroundings, and the medical services offered. Dr. Appiah focused on understanding the healthcare provisions related to hypertension, diabetes, cancer, and other chronic illnesses at the PHC and AYUSH centers. He emphasized the importance of delivering better medical services to meet community needs.Medical staff from the Primary Health Center in Uppal, as well as those from the Bhimpelli and Gundedu AYUSH Health Centers, participated in the program, underscoring their commitment to improving healthcare in the region.

Efforts to Curb the Spread of TB Emphasized in Mulugu District

- Mulugu District Medical and Health Officer, Dr. Gopala Rao

Mulugu, 16 December : Mulugu District Medical and Health Officer, Dr. Gopala Rao, chaired a review meeting on the National TB Control Program at the District Medical and Health Department office on Monday. During the meeting, he stressed the need for well-structured action plans to combat tuberculosis (TB).

These plans should be communicated to Primary Health Centers (PHCs) in advance, ensuring continuous TB diagnostic testing is conducted. Dr. Gopala Rao called on the District TB Program Officer, Dr. Chandrakant and TB staff to focus on increasing the identification of TB patients. He highlighted the importance of preventing the disease's spread by ensuring timely supply of TB medicines and registering cases on the TB portal for effective tracking and treatment.The meeting was attended by key district health officials, including Dr. Vipin Kumar (District Deputy Medical Health Officer), Dr. Srikanth (District Maternal Health and Nutrition Program Officer), Dr. Chandrakant(District TB Control Program Officer), A.M.O. Durga Rao, DPP M. Pullur, and technicians including Sammayya, STS Raju, Chandramouli, Ravi Parusuram, and Sambayya.Dr. Gopala Rao emphasized that curbing TB requires a collaborative effort from all health teams to ensure effective diagnosis, treatment, and monitoring, which are critical in controlling the disease's spread.

Prakash IPS visited Telangana Minority Gurukul School, Kalashala Moinabad Girls-1

Pragati Express Chevella : Telangana State Tourism MD N. Prakash Reddy visited the IPS College as the Chief Guest for the Diet Men program at the Telangana State Minority Gurukul School College in the boundaries of Peddamangalam village under Moinabad mandal.In this program, the students inspected the kitchen, library, class rooms and dormitory of the college premises. Chandrasekhar IFS came as another unexpected guest in the diet menu program.Together, the two explained the 40 percent increase to the students and provided them with good nutritious food. Also, Prakash Reddy IPS said that the use of cell phones should be reduced among the students, drugs should be banned and they should have the courage to call 100 in case of any danger and the children of today are the citizens of tomorrow.Gurukula Minority College Principal Rajini Deepa, teachers, students and college staff participated in this program.

District Collector Vallur Kranti started the CM Cup competition as a bribe

Sangareddy District December 16 : TGIIC Chairman Nirmala Jaggareddy participated in the inauguration ceremony.The district level Chief Minister's Cup games competition started in a festive atmosphere.

District Collector Valluri Kranti inaugurated the district level CM Cup games under the supervision of DYSO Kasim Baig, District Liaison Officer for State Level and TNGO'S District President Javid Ali at Dr. BR Ambedkar Stadium in Sangareddy Town Center.

After receiving the parade and salute of NCC students and athletes, the torch was lit and the games started. The pledge was taken with the athletes who came from all the mandals of the district.

TGIIC Chairman Nirmala Jaggareddy started the Kabaddi competition with a toss and District Collector Vallur Kranti started the volleyball game with a toss. Collector Vallur Kranti said that it is a good program undertaken by the government to encourage the youth.He said that the main purpose of this tournament is to bring out the talent of the youth in the rural areas, and the main purpose is to select talented athletes and participate in sports at the state and national level and bring more schemes.District Trainee Collector Manoj, Library Corporation Chairman Anjaiah, School Games District Secretary Amulyamma, District Officers, Public Representatives, PDs, PETs, DSA Staff, Sportspersons and others participated in this program.

Powerlifting district president who started district level powerlifting competitions at Bhadrachalam city style gym

- Bhadrachalam City Style Gym Coach GV Ramireddy

Bhadradri Kothagudem Bureau 16 : As part of CM Cup 2024, district level powerlifting competitions were inaugurated at Bhadrachalam city center by Bhogala Srinivas Reddy, President of Bhadradri Kothagudem District Powerlifting Association.On this occasion, he said that district level power lifting athletes should participate in the CM 2024 cup organized by Telangana state government and show talent at district level and state level.It was informed on this occasion. Certificates were distributed to the winning athletes in this program by the dignitaries on the stage and from the hands of the association members. In this program, Telangana State Vice Presidents,V Mallesh, Bhadradri Kothagudem District President, Bhogala Srinivas Reddy, District Vigilance Committee Member, Lakawat Venkateshwarlu, Power Lifting District Secretary, GV Ramireddy, District Vice President, Dr. Shivaramakrishna Prasad, District Treasurer, Mahanti Venkatakrishnaji,Prominent community workers of the town, Gade Madhavareddy, National Senior Powerlifter, SK Abdul Farooq, Caveti Ramesh Samimuddin, Bhogala Veera Reddy, and athletes of the district, and athletes of the city style gym participated in the event.

Congress govt will damage the existence of Telangana: Manthani ex-MLA Putta Madhukar

- CM Revanth Reddy's focus is on changing names and forms
- Telangana Veeravanita statue set up at Ramagiri Land
- Arrangements for Cone Laying by MLC Kavitha

Peddapalli / Ramagiri, Dec 16: Manthani's former MLA Putta madhukar said that the Congress government is damaging the existence of Telangana, which was achieved with the aspirations of four crore Telangana people. Speaking at a press conference held at Centenary Colony in Ramagiri mandal on Monday, he said that the soil that led the Malidasa movement was the soil of Ramagiri and Singareni workers started the movement from Telangana Chowk here. He criticized the Congress party government that came to power in Telangana state and CM Revanth Reddy is focusing on changing names and forms instead of focusing on public governance. He said that Telangana Veeravanitha have damaged the self-esteem of Telangana by changing the form of Telangana's mother. He said that it is ironic to change the appearance of the mother of Telangana. He said that arrangements are being made to inaugurate the statue of Telangana VeeraVanitha on the Ramgiri soil, who led the Malidasa movement. He said that the foundation stone will be laid soon for the inauguration of the statue by the hands of former MP and MLC Kalvakunta Kavitha. He said that the Congress party is acting the same way when it came to power and the same way after coming to power. He said that Singareni workers were also cheated. He said that the Singareni organization has been completely weakened and is moving forward. He requested Telanganaists, Singareni workers and BRS activists to participate in large numbers in the cone-laying program of Telangana Veeravanita and Mother of Telangana by the hands of MLC Kavitha and made it a success.

Sangareddy District December 16: Chief Justice of Sangareddy District Court for distribution program of lawyers' daily (diaries) held under the leadership of President of Bar Association Vishnuvardhan Reddy. Bhavani Chandra attended and distributed diaries to the advocates. Bar association president A. Members of Vishnuvardhan Reddy's working group Sur Reddy, Ambarish, Ramesh, Ashok,Anjaneyu, Lalitha, Madhavi, Veera Mahender, Nizamuddin, Gyanoba, Pentaiah, Ramadevi, Vinod Kumar, Vijay Kumar and senior advocates, members of the Bar Association participated.

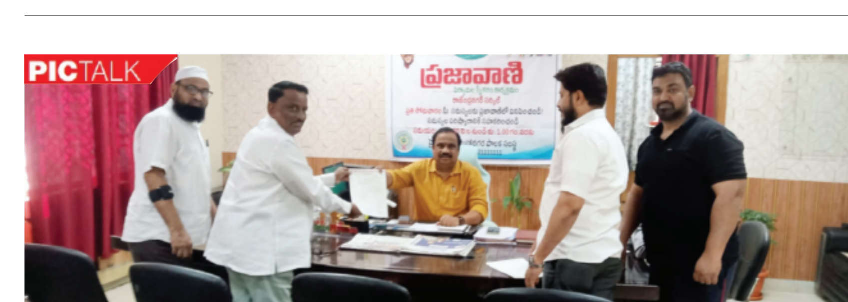

Today giving representation to DY Commissioner of GHMC.RJNR in Prajaa Wani. By Congress leaders Syed Muzammil Ahmed, Sameer Khan, Abbu Zair Bhai. Regard Street Lights. Patch works. Tree cuttings. Staff increase. DY Commissioner good response.

जिला में ग्रेप का तीसरा चरण लागू, डीसी ने सभी संबंधित विभागों को सख्ती से लागू करने के दिए निर्देश

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुरूग्राम, मोहित सैनी। डीसी अजय कुमार ने आज शाम दिल्ली एनसीआर में ग्रेप का तीसरा चरण लागू होने के संबंध में सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को ग्रेप 3 की पाबंदियां सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ग्रेप के तीसरे चरण के तहत जिला में कंस्ट्रक्शन एवं डिमोलूशन से संबंधित सभी प्रकार की गतिविधियों पर पाबंधी रहेगी। बोरिंग और ड्रिलिंग कार्यों सहित खुदाई और भराई के लिए मिट्टी का काम, ओपन ट्रेंच सिस्टम द्वारा सीवर लाइन, पानी की लाइन, ड्रेनेज और इलेक्ट्रिक केबलिंग आदि बिछाना, ईंट व चिनाई के कार्य,पेंटिंग, पॉलिशिंग और वार्निशिंग कार्य, टाइल्स, पत्थरों और अन्य फ़्लोरिंग सामग्री की कटिंग,सड़क निर्माण गतिविधियाँ और प्रमुख मरम्मत, परियोजना स्थलों के भीतर/बाहर कहीं भी सीमेंट, ईंटें, रेत, कंकड़, पत्थर आदि जैसी धूल पैदा करने वाली सामग्रियों का स्थानांतरण, लोडिंग/अनलोडिंग, कच्ची सड़कों पर निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों की आवाजाही पर पाबंदी रहेगी। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि इस अवधि मंव जिला में सभी क्रेसर जोन व खनन का कार्य पूर्ण रूप से बंद रहे। उन्होंने बताया इस दौरान राष्ट्रीय महत्व व स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्रोजेक्ट्स को इन पाबंदियों से बाहर रखा गया है।

3 दिवसीय आद्यात्मिक श्री दिव्य गीता प्रवचन का आयोजन आज से शुरु

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडग़ांव। धार्मिक संस्था श्रीगीता साधना सेवा समिति द्वारा गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में आज मंगलवार से 3 दिवसीय श्री गीता महायज्ञ एवं दिव्य सत्संग समारोह का आयोजन ज्योति पार्क स्थित श्री गीता आश्रम में तपोवन हरिद्वार के डा. स्वामी दिव्यानंद महाराज भिक्षु के सानिध्य में किया जाएगा। संस्था के मुख्य प्रबंधक राजेश गाबा ने बताया कि प्रवचनों के माध्यम महाराज जी गीता के महत्व के बारे में श्रद्धालुओं को विस्तार से जानकारी देंगे। कार्यक्रम प्रतिदिन प्रातरू व सायं होगा। सायं के समय होने वाले सत्संग में श्रद्धालु व क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आग्रह भी किया है कि वे महाराज जी के प्रवचनों का लाभ उठाने के लिए कार्यक्रम में शामिल हों। आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में निर्माण प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी कौशल विभाग तथा भवन निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद द्वारा आयोजित कार्यशाला में हुआ मंथन

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

पलवल, परवीन कुकरेजा। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में निर्माण प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी कौशल विभाग (एसएफईटी) द्वारा भवन निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद के सहयोग से भवन निर्माण में 3डी प्रिंटिंग पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 3डी प्रिंटिंग के प्रयोग से भवन निर्माण में आमूल चूल परिवर्तन पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने भविष्य की भवन निर्माण तकनीक पर मंथन भी किया। त्वस्ता मैन्युफैक्चरिंग सॉल्यूशंस की ओर से बी. परिवर्तन रेड्डी, माइक्रोब की ओर से शशांक शेखर, सिम्पलीफोर्ज क्रिएशंस 3डी क्रिएशन के निदेशक फैजान चौधरी, क्रेटबोस डिजिटल कंस्ट्रक्शन के निदेशक डॉ. धीरज कुमार लाल,) सुश्री अवि खरे और एलएंडटी के प्रबंधक गगनदीप सिंह ने विशेषज्ञ के रूप में 3डी कंस्ट्रक्शन पर अपनी तकनीकी राय व्यक्त की। प्रतिभागियों को यह जानने का मौका मिला कि कैसे 3डी प्रिंटिंग तकनीक का उपयोग करके तेज, सटीक और जटिल निर्माण के लिए बेंगलुरु और चंडीगढ़ में एक डाकघर भवन का निर्माण किया गया। इस अवसर पर श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने कहा कि 3डी प्रिंटिंग ने कई बड़े बदलावों को जन्म दिया है। इससे बहुत बड़ी संभावनाएं भी सामने आई हैं। प्रोफेसर ज्योति राणा ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए एसडीसीएमटी और बीएमटीपीसी को बधाई दी। अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर आर एस राठौड़ ने कहा कि छात्रों को प्रासंगिक पाठ्यक्रमों में कौशल प्रदान करते हुए इस महत्वपूर्ण तकनीक का उपयोग किया जाना चाहिए। डीन प्रोफेसर आशीष श्रीवास्तव ने 3डी प्रिंटिंग तकनीक के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया और कहा कि भविष्य में यह तकनीक भारत में काफी लोकप्रिय हो जाएगी। प्रोफेसर ए के वातल ने कहा कि छात्रों के लिए अधिक कौशल के मकसद भारत में प्रमुख और अग्रणी संस्थानों और उद्योगों के साथ निर्माण प्रबंधन और प्रौद्योगिकी विषय पर चर्चा हुई है। इसका भविष्य में काफी लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा। इस अवसर पर प्रोफेसर ऋषिपाल, प्रोफेसर सुरेश कुमार, प्रोफेसर कुलवंत सिंह, प्रोफेसर ऊषा बत्रा, डॉ. मनी कंवर सिंह, डॉ. पिंकी, उप निदेशक अमीश अमिया, डॉ. जे के दुबे और दीपिका पोरीये तथा एससीएमटी के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

आर्मी का लक्ष्य केवल देश-सेवा नही बल्कि अनुशासन, कर्तव्य व सजगता को जागृत करना: मेजर अमित धतरवाल

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

हांसी। स्थानीय सैन्ट ज्ञानेश्वर सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में आर्मी एवं एक्स आर्मी अधिकारियों के द्वारा सेमीनार का आयोजन किया गया। विद्यालय में पहुंचने पर अधिकारियों का फूलमालाएं व पटके पहनाकर स्वागत किया गया। मेजर अमित धतरवाल ने विद्यार्थियों को आर्मी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आर्मी में प्रवेश के लिए अपना लक्ष्य किस प्रकार निर्धारित करें, कौन-सी पुस्तकें पढ़े व कौन-कौन सी परीक्षा पास करें, कौन-सी शारीरिक ट्रेनिंग ले जिससे उनका आर्मी में चयन हो सके। उनके प्रेरणादायक सम्बोधन से विद्यार्थियों में नई उमंग व जोश भर गया। इस अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में उत्तीर्ण हुए छात्रों को सम्मानित किया। उन्हें मैडल पहनाकर अभिनन्दन किया। प्राचार्य सतीश वर्मा ने विद्यार्थियों को बताया कि इस तरह के सेमीनार से बच्चों के मानसिक विकास में वृद्धि होती है, उन्हें प्रेरणा मिलती है। जिससे वे अपने भविष्य में अपने लक्ष्य का निर्धारण कर सके। आर्मी का लक्ष्य केवल देश-सेवा नही बल्कि अनुशासन, कर्त्तव्य पर्याणता, सजगता को भी जागृत करना है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सरकार ने आमजन की शिकायतों को शीघ्र निपटाने के लिए समाधान शिविर आयोजित कर अनूठी पहली की है: अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप मलिक

- समाधान सेवा में प्राप्त हुई 13 शिकायतें
- प्रत्येक कार्यदिवस को 10 से 12 बजे तक सुनी जाती है लोगों की समस्याएं

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

नूंह, अभयसिंह सैनी। अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक की अध्यक्षता में स्थानीय लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में समाधान शिविर आयोजित किया गया। प्रत्येक कार्यदिवस को सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित होने वाले समाधान शिविर में एडीसी ने लोगों की शिकायतें सुनी और समाधान के लिए संबंधित विभागों को त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में कुल 13 शिकायतें प्राप्त हुई और सभी शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को भेज दिया गया। उन्होंने सभी संबद्ध अधिकारियों को निर्देश दिए की समाधान सेवा में आने वाली शिकायतों को तत्परता से समाधान करें जिससे कि आम नागरिक को परेशान ना होना पड़े। अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप सिंह मलिक ने कहा कि सरकार ने आमजन की शिकायतों को शीघ्र निपटाने के लिए समाधान शिविर आयोजित कर अनूठी पहली की है। उन्होंने परिवार पहचान पत्र से संबंधित, पानी की पाइप लीकेज ठीक करवाने संबंधित आधार कार्ड तथा विभिन्न पेंशन से संबंधित शिकायतें सुनी। उन्होंने शिकायतों को त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों को प्राथमिकता के साथ शीघ्र निपटाएं और इसके साथ ही डाटा को पोर्टल पर भी अपडेट करते रहे। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर का उद्देश्य लोगों के अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़े और उनकी समस्याओं को अतिशीघ्र निपटाना है। उन्होंने जिला वासियों का आह्वान किया है कि अगर किसी को कोई समस्या है तो वे समाधान शिविर में अपनी शिकायत रखें। सरकार ने आमजन की शिकायतों को शीघ्र निपटाने के लिए निर्देश दिए। इस अवसर एसीयूटी अनिरुद्ध यादव, एसडीएम नूंह प्रदीप अहलावत सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

भिवानी के नेहरू पार्क स्थित शहीद स्मारक पर विजय दिवस मनाया गया।

- मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भिवानी के सीटीएम विपिन कुमार।
- 93,000 पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया था।

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

भिवानी। भिवानी के नेहरू पार्क स्थित शहीद स्मारक पर विजय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर भिवानी के सीटीएम पहुंचे। इस बारे में जानकारी देते हुए भिवानी के सीटीएम विपिन कुमार ने बताया कि 16 दिसम्बर को 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के कारण मनाया जाता है। इस युद्ध के अंत के बाद 93,000 पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण कर दिया था। साल 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को करारी परास्त किया, जिसके बाद पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र हो गया, जो आज बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है। यह युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक और हर देशवासी के हृदय में उमंग पैदा करने वाला साबित हुआ। वर्ष 1971 के युद्ध में करीब 3,900 भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हो गए थे, जबकि 9,851 घायल हो गए थे। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी बलों के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी ने भारत के पूर्वी सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था, जिसके बाद 15 दिसंबर को 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को युद्धबंदी बनाया गया। 3 दिसंबर को, 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध शुरू हुआ और 13 दिनों तक चला था।

6 माह के अल्प सैन्य जीवन में ही अरुण खेत्रपाल ने देश के लिए दिया था सर्वोच्च बलिदान

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडग़ांव। देश का सर्वोच्च सैन्य अलंकरण परमवीर चक्र मरणोपरांत से सम्मानित सैकेण्ड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वह भारतीय सेना के एक अधिकारी थे, जो वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान अद्भुत पराक्रम दिखाते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। उन्होंने कहा कि उनका जन्म 14 अक्टूबर 1950 को पुणे महाराष्ट्र में हुआ था। अपने छात्र जीवन में वह अच्छे खिलाड़ी थे। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में उनका चयन हो गया था। उन्होंने अपना सैन्य जीवन 13 जून 1971 को शुरु किया था। उन्होंने कहा कि 16 दिसम्बर 1971 को भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान उन्हें सेना के 47वीं इन्फैन्ट्री ब्रिगेड की कमान सौंपी गई थी। उनकी तैनाती शकरगढ़ सेक्टर में थी। 6 माह के अल्प सैन्य जीवन में ही उन्होने पाकिस्तान की सेना से लड़ते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि उनके अद्वितीय बलिदान व समर्पण के लिए भारत सरकार द्वारा 1972 में मरणोपरांत परमवीर चक्र से उन्हें सम्मानित किया गया था। देश के इस जाबांज सैन्य अधिकारी से युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिक आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए करें आवेदन

सरकारी अस्पताल या जिला नागरिक अस्पताल मांडीखेड़ा में स्थित आयुष्मान केंद्र पर किए जा रहे हैं आवेदन

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

नूंह, अभयसिंह सैनी। जिला में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत योजना) के तहत 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इस कार्ड के माध्यम से वे 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज किसी भी सूचीबद्ध अस्पताल में करा सकते हैं। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला के वरिष्ठ नागरिक अपने नजदीकी सरकारी अस्पताल या जिला नागरिक अस्पताल मांडीखेड़ा में स्थित आयुष्मान केंद्र पर व अपने नजदीक सीएससी सेंटर पर जाकर आवेदन कर आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। इसके अलावा 3 लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए पोर्टल पुनः चालू कर दिया गया है। इसके अंतर्गत, जिले के वे परिवार

जिनकी वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये से अधिक और 3 लाख रुपये तक है, वे पोर्टल पर 1500 रुपये का वार्षिक अंशदान देकर अपना आयुष्मान कार्ड स्वयं बना सकते हैं। यह कार्ड 1 नवंबर 2024 से 31 अक्टूबर 2025 तक मान्य रहेगा, जिसके बाद इसका पुनः नवीनीकरण करवाना आवश्यक होगा। उपायुक्त ने ऐसे नागरिकों से अपील की है कि वे तुरंत अपने और अपने परिवार के आयुष्मान कार्ड बनवाएं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर इसका पूरा लाभ उठाया जा सके।

मेवात विकास सभा ने बांग्लादेश मे अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर भारत सरकार से हस्तक्षेप करने के लिए दिया ज्ञापन

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

नूंह, अभयसिंह सैनी। नूंह सोमवार को मेवात विकास सभा ने उपायुक्त नूंह के माध्यम से एक ज्ञापन दिया जिसमें अपना दुःख साझा करते हुए कहा हैं कि आज बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दू समाज के साथ कट्टरपंथी ताकतों की बर्बरता चरम सीमा पर पहुंच गई है उनके मठ मंदिरों पर हमला हो रहा है और उनकी आन अस्मिता आस्था खतरे में है और उनके वजूद अस्तित्व पर बन आई है। हम भारत के अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज के लोग अल्पसंख्यक समाज के सामने आने वाली परेशानियों

दुश्वारियों से बेहतर वाकिफ है अल्पसंख्यक होने के दर्द को हमसे ज्यादा कौन समझ सकता है हमे मालूम है बांग्लादेश का वजूद और तहाफ़ुज़ हमारे भारतीय शासकों की वजह से है जो 1971 में उन्हें हमारी मदद से मिला है लेकिन आज उसी देश में कट्टरपंथी ताकते हिंदू समाज पर अत्याचार करने पर उतारू हैं और बांग्लादेश की मौजूदा सरकार उनकी हिजाजत करने में पूर्णतया अक्षम है। हमने ज्ञापन के माध्यम से कहा है कि भारत सरकार इस मसले पर राजनीतिक या कूटनीतिक तौर पर हस्तक्षेप करे और बांग्लादेश में हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचारो और उनके मठ मंदिरों पर हो रहे हमलों को जल्द अज बंद करवाएं। आज ज्ञापन देने में मेवात विकास सभा के प्रधान अख्तर हुसैन,पूर्व प्रधान दीन मौहम्मद मामलिका,पूर्व अध्यक्ष रमजान चौधरी,चौधरी तय्यब हुसैन घासेड़या,एडवोकेट मोहम्मद तल्हा,रफ़क़त आजाद जिला पार्षद पलवल इत्यादि शामिल रहे।

हड़प्पा नगर की खुदाई का कार्य किया गया था पुरातत्वविद् राय बहादुर दयाराम साहनी के नेतृत्व में

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडग़ांव। देश की धरोहरों को संरक्षित रखने में पुरातत्वविदों का बड़ा योगदाना रहा है। प्रसिद्ध पुरातत्वविद् राय बहादुर दयाराम साहनी की जयंती पर उन्हें याद करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनका जन्म 16 दिसम्बर 1879 को हुआ था। वर्ष 1921-1922 में प्राचीन हड़प्पा नगर की खुदाई का कार्य उन्हीं के नेतृत्व में किया गया, जो सिंधु घाटी सभ्यता का प्रमुख स्थान है। हड़प्पा के प्रकाश में आने के उपरांत यह मान लिया गया था कि संभवतरू यह सभ्यता सिन्धु नदी के घाटी तक ही सीमित है। अतरू इस सभ्यता का नाम सिन्धु घाटी की सभ्यता या सैंधव सभ्यता रखा गया। उन्होंने कहा कि जॉन मार्शल के सहायक के रूप में वर्ष 1931 में दयाराम साहनी प्रथम भारतीय बने, जिन्हें भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग का महानिदेशक नियुक्त किया गया। वह सन 1935 तक इस पद पर रहे। लगभग एक वर्ष के बाद सन 1922 में राखालदास बनर्जी ने खुदाई के समय एक और स्थान का पता लगाया था। 7 मार्च 1939 को उनका निधन हो गया था।

भिवानी के सामान्य अस्पताल में बॉम्ब निरोधक टीम ने किया औचक निरीक्षण।

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

भिवानी। प्रदेश भर में बॉम्ब की धमकियां को देखते हुए बॉम्ब स्क्वायड टीम हुई सक्रिय। भिवानी सिविल अस्पताल परिसर में हिसार से पहुंची बॉम्ब स्क्वायड और सीआईडी दस्ता ने निरीक्षण किया। अस्पताल परिसर में अधिकारियों से मिलकर पूरे अस्पताल का निरीक्षण किया गया जिसमें सीसीटीवी कैमरा की उपलब्धता, अस्पताल की बाउंड्री और पार्किंग आदि का निरीक्षण किया। जहां टीम द्वारा अस्पताल के अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था ठीक करने के लिए दिशा निर्देश दिए और जो कमियां पाई गई उनको जल्द निवारण करने के आदेश दिए गए। निरीक्षण करने पहुंचे दिनोद गेट चौकी इंचार्ज मनीष वालिया ने बताया कि हरियाणा राज्य पिछले चार-पांच साल से आतंकवादी और अपराधियों की नजर में है इस वजह से सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए आज भिवानी सामान्य अस्पताल का निरीक्षण किया गया जिसमें सीसीटीवी सीसीटीवीकैमरा, सुरक्षा व्यवस्था और दीवारों का निरक्षण किया गया। इसमें कुछ कमियां पाई गई जिनको ठीक ढंग से लगाने की आदेश दिए गए और अस्पताल परिसर के पीछे बाउंड्रीज पर कैमरा नहीं लगे हुए थे। जिस पर वहां भी सुरक्षा व्यवस्था के नजरिए से कैमरे लगाने की जरूरत है । पार्किंग और बाउंड्री पर जहां कुछ दीवारे टूटी हुई है जहां से कोई भी सामाजिक तत्व घुसकर अपराध को अंजाम दे सकता है वहां अधिकारियों को सतर्क रहने और उनको मरमत करने के आदेश दिए गए । प्रिंसिपल मेडिकल ऑफिसर बलवान सिंह ने बताया कि आज बॉम्ब स्क्वाड हिसार द्वारा अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया । जिसमें कुछ चिन्हित जगह को देखा गया और कैमरा आदि का निरीक्षण किया गया है और उन्होंने कहा की सभी व्यवस्थाएं सुचारू मिली और कुछ कमियां पाई गई जिन्हें जल्द ही सुधर जाएगा। उन्होंने कहा कि बढ़ रहे अपराधों को देखते हुए आमजन को भी सतर्क रहने की जरूरत है अस्पताल परिसर में कोई भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु दिखाई दे तो पुलिस या अस्पताल के कर्मचारियों को सूचित करें और अपने व समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

ब्यूटी पेजेंट व फैशन शो के द्वारा महिलाओं को अपनी प्रतिभा उजागर करने का मिलता है मौका : मीत संधू

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

जीरकपुर, संदीप सैनी। मिस एंड मिसेज इंडिया नेक्स्ट दीवा क्वीन फैशन शो का एम एस एंटरटेनमेंट के बैनर के तले आयोजन किया गया, जो बेहद आकर्षक और ग्लैमरस रहा। इस फैशन शो में मिस एंड मिसेज कैटेगरी में कई प्रतिभाशाली महिलाओं ने हिस्सा लिया, जिनमें मिस कैटेगरी में पूर्णिमा कालरा व मिसेज कैटेगरी में तरनप्रीत कौर विजेता रही। और मिसेज यूनिवर्स क्लासिक क्वीन का खिताब नयना थेगाले को मिला। इन्होंने अपने आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का बेहतरीन प्रदर्शन किया। ऍम एस एंटरटेनमेंट के बैनर के तले यह शो न केवल फैशन का प्रतीक था, बल्कि महिलाओं को अपनी छिपी हुई प्रतिभाओं को उजागर करने और समाज में नई पहचान बनाने का एक मंच भी प्रदान किया। मीत संधू के द्वारा इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें प्रेरित करना है कि वे अपने सपनों को साकार करें। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में मनदीप कौर, शिवानी कौल व मिट्स कंपनी के एम डी एम के भाटिया मौजूद रहे। कार्यक्रम में जजों के पैनल ने प्रतिभागियों के

आत्मविश्वास, रैंप वॉक और संपूर्ण प्रस्तुति के आधार पर विजेताओं का चयन किया। जूरी में शालिनी मनसुरज, नैना थिगले व मिस प्रतिमा भारद्वाज ने निष्पक्ष फैसला दिया। कार्यक्रम के सफलता पूर्ण आयोजन में राष्ट्रीय स्तर की फैशन डिजाइनर जसविंदर कौर की ड्रेस डिजाइनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम की शो ओपनर मिसेज विमी वालिया व मिस कैटेगरी में अर्चना राणा रही। कार्यक्रम में शो स्टॉपर के रूप में मिस विनीता व गायत्री राजशेखर ने बेहतरीन परफॉर्मेंस दी। वही कार्यक्रम के सेलिब्रिटी गेस्ट में मौजूद थी भक्ति दुबे, हरप्रीत तान्या, चांदनी पाराशर, हितांशी अरोड़ा, प्रिया तिवारी, सोनिया कक्कड़, एमआर एक्स सी आर, मैंडी राजपूत,श्रेया देशपुते बलवीर और जैस्मिन चोटियान, प्रिंसी प्रिया, अरमानी सिंह व राजेश महाजन मौजूद रहे। वही स्पेशल गेस्ट के रूप में रुपिंदर बावा, करण कौल, अंकुर, सिमरन, नमृता मलिक, मनिंदर सिंह, वर्षा डांगी मौजूद रहे। ब्रांड आइकन का खिताब हरमन टांक को मिला। वही इवेंट पार्टनर के रूप में मिस्टर रवि कुमार (लक्की), रीना सहगल, मिस अर्शी, पूजा गुलाटी व दीप माला जैन अपना काम जिम्मेदारी से निभाया कार्यक्रम में फोटोग्राफी का जिम्मा साई फोटो स्टूडियो से मिस्टर विकास ने बखूबी अदा किया। फैशन शो के लिए मीडिया पार्टनर रहे जतिंदर लकी, एसपी चोपड़ा व आई एच खान व रूद्र प्रोडक्शन के एमडी रीना शर्मा व संदीप सिंह ने मीडिया कवरेज का बखूबी जिम्मा उठाया। मॉडलों को सजाने में व संवारने में महत्वपूर्ण हाथ रहा मीनाक्षी मेकओवर, एस के धीमान, रंजना मेकओवर,अंशुल,सरोज,निशा,नीलम, सीमा प्रसाद व कंवल मेकओवर। कार्यक्रम के आयोजक मीत संधू व सह आयोजक सिमोन कंबोज ने सभी का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया।

पटौदी क्षेत्र के सुविख्यात शिक्षाविद रामनिवास शर्मा नही रहे

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

पटौदी, (सैनी)। एमएलए वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाटोली मंडी के पूर्व प्राचार्य व जाने-माने शिक्षाविद, वरिष्ठ पत्रकार रामनिवास शर्मा का 73वर्ष की आयु में देहांत हो गया। उनके निधन पर अनेक सामाजिक संगठनों और प्रमुख लोगों ने शोक जताया है। भिवानी एक निजी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। सोमवार को उनके ज्येष्ठ पुत्र विजय भारद्वाज व छोटे बेटे अजय भारद्वाज ने रामबाग भिवानी में मुखाग्नि दी। अपने पीछे दो बेटियां सविता वशिष्ठ, सरिता शर्मा को छोड़ गए है। उनके अंतिम संस्कार में उनके मित्र पूर्व विधायक डा. शिव शंकर भारद्वाज ने कहा कि रामनिवास भारद्वाज ने अपना संपूर्ण जीवन शिक्षा के प्रचार प्रसार में लिए समर्पित कर दिया।

उन्होंने पत्रकारिता में भी अपना एक नाम कमाया। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड में भी अपनी सेवाएं दी। इस अवसर पर पूर्व विधायक सत्यप्रकाश जरावता, पूर्व विधायक रामबीर सिंह, ब्राह्मण वेलफेयर एसोसिएशन अध्यक्ष अजय शर्मा, डा. ओमप्रकाश अदलखा, अजय शर्मा, कुलवंत सिंह, रामपुर के पूर्व सरपंच अमित शर्मा, नैनू शर्मा, वीरेंद्र अत्री, सतेंद्र शास्त्री, युवा जागृति मंडल के प्रधान मुकेश शर्मा, यूथ आर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष जीतू चौहान, समाजसेवी मास्टर सुरेंद्र सिंह, बृजेश अग्रवाल, पवन शर्मा व घनश्याम सहित अन्य प्रमुख लोगों ने उनके निधन पर शोक जताया है।

रविवार से शुरु हो गया है एक माह का खर मास

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडग़ांव। रविवार से सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करने के साथ ही खर मास शुरु हो गया है, जो आगामी नववर्ष में मकर सक्रांति तक रहेगा। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि इस अवधि में सभी तरह के धार्मिक अनुष्ठान यानि कि सगाई, विवाह, मुंडन, कर्णभेदन जैसे शुभ कार्य नहीं हो सकेंगे। इन शुभ कार्यों की शुरुआत जनवरी माह में मकर सक्रांति से होगी।ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि सनातन धर्म में विवाह के लिए शुभ कारक ग्रह सूर्य को माना जाता है। सूर्य जब धनु राशि में विद्यमान होते हैं, तब शुभकार्य नहीं किए जाते। इसी अवधि को खर मास कहा जाता है। सूर्य 14 जनवरी को मकर सक्रांति पर धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। तभी से शुभ कार्य शुरु हो जाएंगे।

जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर करवा सकते हैं पंजीकरण: विश्राम कुमार मीणा

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

नूंह, अभयसिंह सैनी। हरियाणा सरकार की ओर से जन्म प्रमाण पत्र को लेकर ऑनलाइन पोर्टल जारी किया गया है जिस पर व्यक्ति अपने घर बैठा ही अपने बच्चों या फिर खुद का जन्म प्रमाण पत्र बनवा सकता है। इस बारे में जानकारी देते हुए उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि पहले जन्म प्रमाण पत्र के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते थे, लेकिन अब हरियाणा में जन्म प्रमाण पत्र के लिए व्यक्ति पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते है। उन्होंने कहा कि जन्म प्रमाण पत्र एक महत्वपूर्ण दस्तावेजों में गिना जाता है। जब भी किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड या फिर पहचान पत्र नहीं होता है तो वह व्यक्ति जन्म प्रमाण पत्र को दस्तावेज के रूप में काम में ले सकता है। केंद्र सरकार के नियम के अनुसार अधिनियम 1996 के तहत हर व्यक्ति का जन्म प्रमाण और या फिर उसकी मृत्यु के बाद मृत्यु प्रमाण पत्र होना जरूरी है। बच्चे के जन्म के 21 दिनों के अन्दर अन्दर जन्म प्रमाण पत्र के लिए व्यक्ति आवेदन कर सकता है जिससे जन्म प्रमाण बनने में कम समय लगता है और जब काफी ज्यादा समय निकल जाता है तो उसके बाद जन्म-प्रमाण पत्र बनने में काफी समय लग जाता है।

जन्म प्रमाण पत्र का उद्देश्य

जन्म प्रमाण पत्र व्यक्ति की आयु को दर्शाता है। योजनाओं के आवेदन के लिए जन्म प्रमाण पत्र की जरूरत पड़ती है और बहुत सी योजनाएं ऐसी भी है जिनमें व्यक्ति के पास जन्म प्रमाण पत्र ना होने के कारण योजना के लाभ से वंचित कर दिया जाता है। अगर व्यक्ति के पास आधार कार्ड नहीं है और पहचान पत्र भी नहीं है तो वह जन्म प्रमाण पत्र को दस्तावेज के रूप में काम में ले सकता है। जन्म प्रमाण पत्र का उपयोग पहचान पत्र बनवाने के लिए, आधार कार्ड बनवाने के लिए, स्कूल या फिर कॉलेज में प्रवेश लेते समय इसकी जरूरत पड़ती है, राशन कार्ड बनवाने या फिर राशन कार्ड सूची में नाम जुड़वाने के लिए, ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदन के लिए, मूल निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए, पैन कार्ड बनवाने के लिए सहित सरकार की योजनाओं को लाभ लेने के लिए जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है।

इन दस्तावेजों की जरूरत पड़ेगी

जन्म प्रमाण पत्र के लिए पंजीकरण करवाने के लिए माता पिता का आधार कार्ड, पहचान पत्र (माता पिता का), राशन कार्ड, माता पिता का वैवाहिक प्रमाण पत्र, बच्चे का पासपोर्ट साइज फोटो, मोबाइल नंबर पिता का, बच्चे की जन्म दिनांक, जन्म कहा हुआ था इसका प्रमाण पत्र, शपथ पत्र का होना जरूरी है।

मशरूम कंपोस्ट व प्रोडक्शन यूनिट लगाने सहित बागवानी से जुड़ी विभिन्न योजनाओं पर दिया जाएगा 50 प्रतिशत का अनुदानः डीसी

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुरुग्राम, मोहित सैनी। डीसी अजय कुमार ने बताया कि प्रदेश में किसानों की आय बढ़ाने व उन्हें पारंपरिक खेती से बागवानी की लाभकारी फसलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न फसलों पर विशेष अनुदान दिया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश के किसानों को जिलावार मशरूम प्रोडक्शन व कंपोस्ट यूनिट लगाने पर 40 प्रतिशत का अनुदान दिया जा रहा है। डीसी ने बताया कि मशरूम के गुणकारी लाभों के चलते बाजार में इसकी मांग में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। किसानों में इसकी खेती की सही जानकारी के अभाव में यह बाजार में अधिक मात्रा में उपलब्ध नही होता। जबकि बाजार में इसकी मांग दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि जिला के किसान फसल विविधिकरण के तहत इसकी खेती को अपनाकर बाजार से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। जिला बागवानी अधिकारी नेहा यादव ने किसानों को दी जाने वाली अनुदान राशि की जानकारी देते हुए बताया कि जिला में उद्यान विभाग हरियाणा द्वारा विभागीय स्कीम के तहत गुरुग्राम जिला में एक मशरूम कंपोस्ट व एक मशरूम प्रोडक्शन यूनिट लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि दोनों यूनिट की अधिकतम यूनिट कोस्ट 20 लाख निर्धारित की गई है। जिसमें 40 प्रतिशत राशि अनुदान

स्वरूप दी जाएगी। इसके साथ साथ जिला में नेट हाउस/पोली हाउस के लिए 4000 स्क्वायर मीटर का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए लिए 50 प्रतिशत राशि अनुदान के रूप में दी जाएगी। इसके साथ ही राइपिंग चाम्बर के लिए 300 एमटी का लक्ष्य निर्धारित है। जिसमें 35 प्रतिशत राशि का अनुदान दिया जाएगा। नेहा यादव ने बताया कि 20 एचपी तक कि क्षमता के एक ट्रैक्टर पर 40 से 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। वहीं जिला में एक पैक हाउस व प्याज भंडारण कक्ष के लिए 50 प्रतिशत तक व पावर टिलर एवं बिडर पर 40 से 50 प्रतिशत तक का अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अनुदान योजना का लाभ लेने के इच्छुक किसान पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अनुदान राशि विभागीय गाइडलाइंस अनुसार ही दी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक किसान किसी भी कार्य दिवस पर जिला उद्यान अधिकारी एवं उद्यान विकास अधिकारी कार्यालय में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही अनुदान से जुड़ी योजनाओं के लिए जिला उद्यान अधिकारी गुरुग्राम के दूरभाष नंबर 0124-2324067 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

भारत रत्न पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में किया रक्तदान शिविर का आयोजन

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडग़ांव। सामाजिक संस्था स्वास्तिक फाउंडेशन द्वारा भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में सैक्टर 5 स्थित शिवा पार्क में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 250 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वाह किया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष राज सैनी बिसरवाल, शिविर के संयोजक अंकुश व विशु ने बताया कि शिविर का शुभारंभ स्थानीय विधायक मुकेश शर्मा ने किया। उन्होंने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। रक्त की कुछ बूंदें मरणासन्न व्यक्ति को जीवनदान दे सकती हैं। संस्था के संरक्षक बनवारी लाल सैनी व सुमेर सिंह तंवर का कहना है कि संस्था का

उद्देश्य है कि युवाओं को सही मार्ग पर चलाकर उन्हें समाजसेवा के कार्यों से जोड़ा जाए। संस्था के सदस्य सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश युवाओं का देश है। युवा शक्ति से ही देश मजबूत है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और संस्था के पूर्व चेयरमैन स्व. लखन अरोड़ा को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। शिविर को सफल बनाने में संस्था के लवली सलूजा, राजेश सैनी, विजय सैनी, हिमेश, मनोज तंवर, कृष्ण सैनी, जय अत्रि, रेखा सैनी, कृष्ण गोपाल रोहिल्ला, कुलविंद्र, ईश्वर सिंह, शिव शंकर मौर्या, मनीष वर्मा, अरुण सैनी, चतुर्भुज, कश्मीर सिंह, दीपक कटारिया, हरीश, हर्षित अरोड़ा, अमित सैनी, सागर आदि का सहयोग रहा।

सीएम फ्लाइंग, खाद्य आपूर्ति विभाग और पुलिस द्वारा संयुक्त रेड।

■ गैस सिलेंडरों से भरी पिकअप गाड़ी समेत ड्राइवर गिरफ्तार - गैस की कालाबाजारी को लेकर की गई कार्रवाई।

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

फरीदाबाद। गुप्त सूचना के आधार पर सीएम फ्लाइंग की टीम ने गैस सिलेंडर की कालाबाजारी को लेकर फरीदाबाद की राजीव कॉलोनी में रेड करते हुए एक पिकअप गाड़ी को काबू किया है जिसमें गैस से भरे 60 सिलेंडर बरामद किए गए हैं जिन्हें कालाबाजारी के चलते यहां बचने के लिए लाया गया था। इस रेड मे पुलिस के अलावा खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे।

फिलहाल गाड़ी के ड्राइवर को गाड़ी समेत पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है। फूड एंड सप्लाई विभाग के ऑफिसर गिरीश ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सीएम फ्लाइंग द्वारा यह रेड करके राजीव कॉलोनी से गैस की कालाबाजारी करते हुए गैस सिलेंडरों से भरी पिकअप गाड़ी को पकड़ा गया है जिसकी सूचना मिलने पर वह और पुलिस मौके पर पहुंचे तो पाया कि पिकअप गाड़ी ग्रेटर फरीदाबाद स्थित किरण गैस एजेंसी से संबंधित थी और गैस सिलेंडर से संबंधित पर्चियाँ बीते तीन और पांच दिसंबर की थी और इन पर्चियां पर मिले मोबाइल नंबर भी अन्य राज्यों के पाए गए हैं जिससे साबित होता है कि यह सिलेंडर कालाबाजारी करने के लिए यहां पर ले गए थे। जांच करने पर पता चला है कि गौरव नाम का एक शख्स इन गैस सिलेंडरों को राजीव कॉलोनी में बेचता है।

गिरीश फूड एंड सप्लाई विभाग के ऑफिसर

वहीं जांच अधिकारी ने भी बताया कि पूछताछ में ड्राइवर कोई भी संतुष्ट जवाब नहीं दे पाया और मिली पर्चियां भी पुरानी तारीखों की हैं ऐसे में गाड़ी समेत ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है और जो भी अन्य दोषी पाए जाएंगे उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा।

विजय दिवस पर शहीदों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

■ डीसी अजय कुमार ने स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद हॉल परिसर में युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को किया नमन

■ डीसी ने कहा, यह दिन भारतीय सेना के पराक्रम, बलिदान और साहस का प्रतीक

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुरूग्राम, मोहित सैनी। भारत की वर्ष 1971 में पाकिस्तान पर ऐतिहासिक विजय की वर्षगांठ के अवसर विजय दिवस पर सोमवार को जिला प्रशासन, गुरुग्राम द्वारा वीर शहीदों को कृतज्ञता के भाव से याद किया गया। डीसी अजय कुमार ने स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद

हॉल परिसर स्थित युद्ध स्मारक पर पहुंच कर वीर शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री अजय कुमार ने कहा कि विजय दिवस के अवसर पर, हम उन सभी वीर नायकों को नमन करते हैं जिन्होंने वर्ष 1971 युद्ध में निर्णायक जीत सुनिश्चित करते हुए कर्तव्यनिष्ठा से भारत की सेवा की। उनका निस्वार्थ समर्पण और दृढ़ संकल्प हमारे देश का गौरव हैं। यह दिन उनकी अदम्य वीरता और देशभक्ति को समर्पित है। उनका बलिदान सदैव आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि यह दिन भारतीय सेना के पराक्रम, बलिदान और साहस का प्रतीक है। श्विजय दिवसश् हमें स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा के लिए हमेशा सतर्क रहने और एकजुट होकर देश के विकास में योगदान देने की प्रेरणा देता है। डीसी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने वीर एवं शहीदों के स्वजनों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई है। जिला प्रशासन की ओर से भी समय-समय पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रमों में शहीदों के परिजनों तथा पूर्व सैनिकों को सम्मानित भी किया जाता है। इस अवसर पर हरियाणा पुलिस की टुकड़ी ने भी शहीदों को अपने पारंपरिक तरीके से सलामी दी। इस अवसर पर सैनिक एवं अर्ध सैनिक कल्याण विभाग के जिला कल्याण अधिकारी कर्नल (सेवानिवृत) अमन यादव, एक्स सर्विसमैन प्रकोष्ठ के अध्यक्ष कर्नल (सेवानिवृत) संतलाल, हेड क्लर्क अजित सिंह, वेलफेयर ऑफिसर बलजीत सिंह, भूपेंद्र कुमार व मोहम्मद यूसुफ कर्मबीर सिंह चौकीदार, वीरेंद्र व प्रकाश थापा, पुनीत असफाक सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडग़ांव। यह पूरी मानवता का सामूहिक कर्तव्य है और इसलिए हमारा दायित्व है कि संसाधनों और ऊर्जा का सर्वोत्तम उपयोग हो। धरती पर हमारे संसाधन अनंत नहीं हैं बल्कि सीमित हैं। अगर हम अंधाधुंध दोहन में लगे रहेंगे तो हम आने वाली पीढियों को वह सब नहीं दे पाएंगे जो उन्हें मिलना चाहिए। उक्त विचार देश के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर आयोजित समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते

हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमें धन्यवाद देना चाहिए कि नवाचार और अनुसंधान ने हमें वैकल्पिक और नवीकरणीय स्रोत उपलब्ध कराए हैं। ऊर्जा समिति के महासचिव संजय कुमार चुघ का कहना है कि समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार और राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल, बीईआई के महानिदेशक श्रीकांत नागुलापल्ली सहित अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे।

कर्मचारी की विधवा पत्नी को बकाया तनखाह जारी करने के निर्देश दिए डीसी ने

■ समाधान शिविर में 24 मामलों की सुनवाई हुई, 6 का मौके पर किया निपटान

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुरूग्राम, मोहित सैनी। राजस्व विभाग के कर्मचारी की विधवा ने समाधान शिविर में गुहार लगाई कि उसे अपने पति के निधन के बाद नियमित रूप से तनख्वाह नहीं दी जा रही है। जिस पर तत्काल निर्देश दिए गए कि तहसीलदार कार्यालय गुरूग्राम से महिला को वेतन जारी किया जाए। लघु सचिवालय सभागार में आयोजित किए गए समाधान शिविर में आज डीसी अजय कुमार ने 24 मामलों की सुनवाई की, जिनमें से 6 का मौके पर ही निपटारा कर दिया। बाकी शिकायतों में डीसी ने संबंधित अधिकारियों को उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। पटवारी भूदेव शर्मा की पत्नी शारदा ने बताया कि उसके पति की एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। पति के स्थान पर लाभांश के रुप में उसे विधवा के तौर पर हर महीने तनख्वाह दी जाती है। लेकिन विगत पांच महीनों से उसे यह वेतन नहीं दिया जा रहा। इस पर डीसी ने तहसीलदार कार्यालय को यह बकाया राशि देने और नियमित रूप से तनख्वाह दिए जाने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में डीसी अजय कुमार के साथ

एसडीएम रविंद्र कुमार व नगराधीश कुंवर आदित्य विक्रम भी मौजूद रहे। गांव भांगरौला निवासी ईश्वर सिंह ने जमीनी विवाद के एक मामले में कहा कि वह उप तहसील कार्यालय हरसरू की कार्यवाही से संतुष्ट नहीं है। उसका मामला सहायक कलैक्टर गुरूग्राम को स्थानांतरित किया जाए। जिस पर डीसी ने तत्काल जमीन तकसीम के इस मामले में नायब तहसीलदार गुरूग्राम को सुनवाई करने के निर्देश दिए। पटौदी उपमंडल के गांव नानूकलां के प्रजापत समाज के कुछ लोगों ने बताया कि उनके गांव में मिट्टी पाथने की उनकी भूमि पर ग्राम पंचायत एक पार्क का निर्माण करवाना चाहती है। इस भूमि के छीन जाने से मटका, सुराही, दीये आदि बनाने का सारा काम ठप्प हो जाएगा। इस पर डीसी अजय कुमार ने एसडीएम पटौदी को उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। गुरूग्राम के अलावा आज सोहना, बादशाहपुर व पटौदी में एसडीएम ने समाधान शिविर में जनशिकायतों की सुनवाई की। इस अवसर पर एसीपी सुशीला, सदर कानूनगो गुलाब सिंह, डिप्टी सीएमओ डा. पवन, बिजली वितरण निगम से एसडीओ राजेश कौशिक, धर्मपाल सिंह, एचएसवीपी के एसडीओ अजमेर सिंह, कर्मवीर इत्यादि मौजूद रहे।

युवा सफल उद्यमियों को पुरस्कृत करेगा कौशल विकास एवंऔद्योगिक प्रशिक्षण विभाग

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुरुग्राम, मोहित सैनी। हरियाणा सरकार के कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने सफल युवा उद्यमियों को पुरस्कार देने के लिए 31 दिसंबर तक आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन के लिए अधिक जानकारी वेबसाईट से प्राप्त की सकती है। सफल युवा उद्यमी को जिलास्तर व प्रदेश स्तर पर 26 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम के प्राचार्य जयदीप सिंह कादयान ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सरकारी या प्राइवेट किसी भी आईटीआई से पास आऊट हुए युवाओं में स्वरोजगार की भावना जागृत करने के उद्देश्य से सफल उद्यमियों को पुरस्कृत करने की योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत अपना सफल उद्यम स्थापित करने वाले युवा को दस हजार रुपये का प्रथम पुरस्कार, द्वितीय पुरस्कार 7500 रूपए व तृतीय विजेता को पांच हजार रूपए की नगद राशि एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी जिलों के पुरस्कृत युवा उद्यमियों में से सर्वश्रेष्ठ तीन विजेताओं को राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित किया जाएगा। प्रदेश स्तर पर प्रथम विजेता को 50 हजार रूपए, द्वितीय को 40 हजार रूपए व तृतीय विजेता को 30 हजार रूपए का पुरस्कार प्राप्त होगा। प्राचार्य जयदीप सिंह कादयान ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत गुरुग्राम जिला के सफल युवा उद्यमी राजकीय आईटीआई संस्थान में 31 दिसंबर से पहले अपना आवेदन पत्र जमा करवा सकते हैं। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग की वेबसाईट पर योजना की सभी नियम, शर्तें, आवेदन पत्र आदि के बारे में विस्तार से विवरण दिया गया है।

बेटी के जन्म पर धूमधाम से किया कुंआ पूजन का आयोजन

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडग़ांव। सरस्वती एंक्लेव क्षेत्र में बेटी के जन्म पर परिजनों द्वारा धूमधाम से कुंआ पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें परिजन, क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए और उन्हें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के बारे में जानकारी दी गई। डा. आजाद ने बताया कि उनके यहां पुत्री होने पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि आज बदलते दौर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के माध्यम से लोगों की सोच में परिवर्तन आया है। बेटियों को

भी अब समुचित सम्मान मिलने लगा है। बेटा-बेटी में अब कोई अंतर नहीं समझा जाता। बेटियों के जन्म पर कुआ पूजन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। श्रमिक संगठन एटक के राज्य महासचिव अनिल पंवार एडवोकेट ने कहा कि बेटियां आज विभिन्न क्षेत्रों में देश का नाम रोशन कर रही हैं। बेटियों को बेहतर शिक्षा दिलानी चाहिए। सभी ने बेटी को आशीर्वाद देकर दीर्घायु की कामना की। इस अवसर सुरेन्द्र कुमार, रोशनी देवी, प्रीति, किशोर कुमार, हिमांशु पवार, नीलम पंवार, स्वेता पवार, अजय कुमार, धर्मपाल, खुशी, बजरिया परिवार, लक्ष्मी नारायण यादव, नेहा आदि मौजूद रहे।

विजय दिवस पर भारतीय शहीद जवानों को किया याद

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडग़ांव। विजय दिवस 16 दिसम्बर को 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के कारण मनाया जाता है। इस युद्ध के अंत के बाद करीब 93 हजार पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण कर दिया था। साल 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को करारी हार दी थी, जिसके बाद पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र हो गया, जो आज बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है। पूर्व सैन्यकर्मियों व सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने रेजांगला युद्ध स्मारक पहुंचकर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सामाजिक संस्था डा. राजेंद्र प्रसाद फाउण्डेशन के अध्यक्ष राजेश पटेल ने कहा कि यह युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक और हर देशवासियों के हृदय में उमंग पैदा करने वाला साबित हुआ। देश भर में 16 दिसम्बर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1971 के युद्ध में करीब 3,900 भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हो गए थे, जबकि 9,851 घायल हो गए थे। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी बलों के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी ने भारत के पूर्वी सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था, जिसके बाद 17 दिसंबर को 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को युद्धबंदी बनाया गया। युद्ध की पृष्ठभूमि साल 1971 की शुरुआत से ही बनने लगी थी। पाकिस्तान के सैनिक तानाशाह याहिया ख़ां ने 25 मार्च 1971 को पूर्वी पाकिस्तान की जन भावनाओं को सैनिक ताकत से कुचलने का आदेश दे दिया।

इसके बाद शेख़ मुजीब को गिरफ़्तार कर लिया गया। तब वहां से शरणार्थी लगातार भारत आने लगे। जब भारत में पाकिस्तानी सेना के दुर्व्यवहार की खबरें आईं, तब भारत पर यह दबाव पडऩे लगा कि वह वहाँ पर सेना के जरिए हस्तक्षेप करे। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी चाहती थीं कि अप्रैल में आक्रमण किया जाए। इस बारे में इंदिरा गांधी ने थल सेनाध्यक्ष जनरल मानेकशॉ की राय ली। तब भारत के पास सिर्फ़ एक पर्वतीय डिवीजन था। इस डिवीजन के पास पुल बनाने की क्षमता नहीं थी। तब मानसून भी दस्तक देने ही वाला था। ऐसे समय में पूर्वी पाकिस्तान में प्रवेश करना मुसीबत मोल लेने जैसा था। 3 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तानी वायुसेना के विमानों ने भारतीय वायुसीमा को पार करके पठानकोट, श्रीनगर, अमृतसर, जोधपुर, आगरा आदि सैनिक हवाई अड्डों पर बम गिराना शुरू कर दिया था। 16 दिसम्बर को पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था। इस युद्ध में भारत को जीत मिली थी। उन्होंने देशवासियों से आग्रह किया कि भारतीय सेना का इतिहास गौरवमयी रहा है। उनकी बदौलत ही हम घरों में चौन की नींद ले पाते हैं। हमें सैनिकों का सम्मान करना चाहिए। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में टीसी राव, एके दास, राजीव राठौर प्रवीण चौहान आदि शामि रहे।

प्रधानमंत्री के नाम प्रशासनिक अधिकारी को लोकतंत्र सेनानी संगठन ने सौंपा ज्ञापन

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडग़ांव। लोकतंत्र सेनानी संगठन की गुरुग्राम इकाई द्वारा प्रधानमंत्री के नाम प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन दिया गया। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष महावीर भारद्वाज का कहना है कि वर्ष 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सत्ता बचाने के लिए देश के संविधान को तार-तार करते हुए आपातकाल लगा दिया था। 25 जून की मध्य रात्रि को उन्होंने लोकतंत्र की निर्मम हत्या कर दी थी। उनका कहना है कि संविधान के साथ हुए इस अन्याय को सार्वजनिक करने के लिए एक श्वेत पत्र जारी किया जाए। ज्ञापन में मांग की गई है कि आपातकाल के दौरान जेल की यात्राएं

करने वाले लोकतंत्र सेनानियों को स्वतंत्रता सेनानी के समान सुविधा एवं सम्मान दिया जाए। आपातकाल केंद्र सरकार द्वारा लगाया गया था, तो केंद्र के स्तर पर ही सम्मान एवं सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। उनका कहना है कि केंद्र में 11 वर्षों से भाजपा सरकार है, लेकिन आपातकाल का दंश झेलने वालों के लिए केंद्र सरकार ने कोई विशेष कदम नहीं उठाए हैं। उन्होंने मांग की है कि आपातकाल के विषय को न्यायाधीश शाह की रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए जिससे इतिहास के सच को नई पीढ़ी जान सके। इस अवसर पर संगठन के विपिन सिंगल, अनिल नागपाल, बृजमोहन गुप्ता, प्रेम प्रकाश गिरधर, राजवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

गायत्री परिवार ने भावी पीढ़ी व उसके नवनिर्माण विषय पर किया कार्यक्रम का आयोजन

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडग़ांव। धार्मिक संस्था गायत्री परिवार के तत्वावधान में ताऊ देवी लाल स्टेडियम परिसर में हमारी भावी पीढ़ी और उसका नवनिर्माण विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था से जुड़े पदाधिकारी, सदस्य, छात्र व गणमान्य व्यक्ति बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम में युवाओं व महिलाओं से संबंधित समस्याओं व उनके समाधान पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य रुप से स्थानीय विधयायक मुकेश शर्मा भी शामिल हुए। गायत्री विद्यापीठ की अध्यक्ष शेफाली पांड्या ने युवाओं व महिलाओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग और बदलते परिवेश में सही मार्गदर्शन न होना युवाओं की सबसे बड़ी समस्या है। युवा वर्ग गलत आदतों के चलते दिशाहीन होता जा रहा है। नशे की लत को देखते हुए संस्था ने नशे के खिलाफ8वां आंदोलन शुरु किया है। उनका कहना है कि नई पीढ़ी को ठीक करने का जिम्मा माता के ऊपर है। मां चाहे तो बच्चों को शुरू से ही ऐसी शिक्षा दे कि वह बुराई की तरफन जाकर

अपने भविष्य के निर्माण में काम करें। इससे न केवल युवाओं का विकास होगा, अपितु विश्व का भी कल्याण होगा। शांतिकुंज हरिद्वार की दीना ने कहा कि गायत्री परिवार का मुख्य उद्देश्य है लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाना। इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। संस्था के प्रयास से लोग बुराई का रास्ता छोड़ कर अच्छाई से जुड़ रहे हैं। डॉ रेखा प्रकाश ने महिलाओं के विकास को लेकर प्रेजेंटेशन दिया।

एशिया के सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाजों में से एक थे हवा सिंह, उनकी जयंती पर किया याद

मेवात न्यूज़ एक्सप्रेस

गुडग़ांव। देश के सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाजों में अर्जुन पुरुस्कार अवार्डी हवा सिंह एक थे। हवा सिंह ने वर्षों तक मुक्केबाजी के खेल को नई दिशा दी तथा देश का नाम रोशन किया। पहले बॉक्सर के रूप में देश की सेवा की और अन्त तक खेल से जुड़े रहे। उन्हें 1966 में अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। थलसेना अध्यक्ष द्वारा उन्हें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की ट्राफी प्रदान की गई। उन्हें वर्ष 1999 में हवा सिंह को द्रोणाचार्य पुरस्कार देने की घोषणा की गई थी, लेकिन निधन होने के कारण वह पुरुस्कार ग्रहण नहीं कर सके थे। उनकी जयंती पर उन्हें याद करते हुए खेलप्रेमियों ने कहा कि उनका जन्म 16 दिसम्बर 1937 में हरियाणा के भिवानी जिले के गांव उमरवास में हुआ था। उनका नाम भारत में ही नहीं एशिया में हेवीवेट विजेता के रूप में प्रसिद्ध रहा। उन्होंने एशियाई खेलों में न केवल हैवीवेट का खिताब जीता, अपितु अगले एशियाई खेलों तक उसे बरकरार रखा। उन्होंने कई बॉक्सरों को प्रशिक्षित भी किया। उन्होंने 2 बार एशियाई स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर पूरे एशिया में प्रशंसा व प्रसिद्धि पाई थी। खेलप्रेमियों ने कहा कि वह अपने क्षेत्र में बेहतरीन एवं सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज रहे। उन्होंने पहली सफलता एशियाई स्तर पर 1966 में बैंकाक एशियाई खेलों में हासिल की, जिसमें उन्होंने स्वर्ण पदक जीता। दूसरी बार 1970 के बैंकाक एशियाई खेलों में हवा सिंह ने पुनरू अपनी सफलता को दोहराया और स्वर्ण पदक हासिल किया। आज तक मुक्केबाजी में इतनी सफलता कोई अन्य खिलाड़ी हासिल नहीं कर सका। खेलप्रेमियों का कहना है कि हवा सिंह को द्रोणाचार्य पुरस्कार देने की घोषणा की गई। यह पुरस्कार उन्हें 29 अगस्त 2000 को यह पुरस्कार दिया जाना था, लेकिन 15 दिन पूर्व 14 अगस्त 2000 को उनका भिवानी में अचानक निधन हो गया। उनका यह पुरस्कार उनकी पत्नी अंगूरी देवी ने प्राप्त किया था। खेलप्रेमियों ने बॉक्सिंग में अपनी किस्मत आजमा रहे खिलाडिय़ों से आग्रह किया कि वे हवा सिंह के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें, उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी।

YouTube Music is set to roll out song, album credits

Video-sharing platform YouTube is rolling out song and album credits to its music streaming service 'YouTube Music'. With this new feature, users will be able to see song and album credits when listening to their favourite music, reports 9To5Google. Also Read - YouTube Music will soon allow creators to have their own podcasts YouTube Music to show song, album credits The feature, where users can instantly see detailed song information, such as who the singer is and who wrote, produced, and composed each track, has long been a part of many other streaming services like Tidal. Also Read - Google removed over 7,500 YouTube channels linked to malicious operations If the feature is enabled to the users' account, then they will see a 'View song credits' option when accessing the overflow menu on YouTube Music. Also Read - YouTube creators can now dub videos in multiple languages Users will be able to see data about the music such as who the song is 'Performed by', 'Written by', 'Produced by', and from where the music metadata was sourced, the report said. Meanwhile, last week, the video-sharing platform announced that US creators can now create podcasts in YouTube Studio and the inclusion of podcasts in the company's Music app is coming soon. The platform mentioned that "a podcast show is a playlist, and podcast episodes are videos in that playlist". For the unversed, YouTube has announced that US creators can now create podcasts in YouTube Studio and inclusion of podcasts in the company's Music app is coming soon. The company tweeted from its Team YouTube account: "podcasts are a go! new features on Studio desktop now let you create a new podcast, set an existing playlist as a podcast and measure your podcast's performance." Creators' podcasts should only contain full-length episodes, organised in the order in which they should be consumed. Additionally, YouTube TV has launched a new "multiview" feature that will allow subscribers to watch up to four different programs at the same time. The streaming giant said that early access to multiview will roll out to all YouTube TV members over the next few months.

How to check bank account balance on Google Pay, PhonePe, and Paytm

Remember times when you had to visit the bank and stand in long queues to get your passbook updated only to check your bank account balance? Well, that's done and we now got ATM machines that help us check our bank account balance 24/7. Also Read - Paytm UPI Lite has over 2 miliion users and witnesses more than half a million daily transactions However, not every time you have access to an ATM machine. That said, you anyway have to travel some distance before checking your bank balance. Also Read - Paytm launches UPI Lite for faster transactions: How to use In 2016, the Government of India announced the Unified Payment Interface or UPI that fast-forwarded the entire process of banking, and today, checking bank account balance is easier than ever. Also Read - Paytm Payments Bank launches UPI-based RuPay Credit Card Thanks to UPI, we saw a rise in payment apps like Google Pay, Phone, and Paytm in India. With all that, common people benefited and now, not just cities but even many villages have started using the aforementioned UPI apps. However, still not many know how to check their bank balance in these apps on their phone. In this article, we'll show you how you can check your bank account balance in seconds. Before we get started, make sure you have logged into these apps using your phone number. Once you are done and have added your banks, follow the steps below. Check Bank account balance on Google Pay Step 1: Open Google Pay on your Android or iOS device. Step 2: Scroll to the bottom and check for the option called 'Check bank balance' and tap on it. Step 3: Select bank (if added more than one bank account) and enter your UPI PIN and tap on the submit button. Check Bank account balance on PhonePe Step 1: Open PhonePe on your Android or iOS device. Step 2: Now, on the homepage, under the money transfers tab, find the 'Check Bank Balance' option and tap on it. Step 3: Select bank (if added more than one bank account) and enter your UPI PIN and tap on the submit button. Check Bank account balance on Paytm Step 1: Open Paytm on your Android or iOS device. Step 2: Tap on Balance & History option, which should be on the homepage. Step 3: Scroll down and you should see the listed banks. Tap on 'Check Balance'. Step 4: Enter your UPI PIN and tap on the submit button.

Huawei Enjoy 60 Leaked Poster Reveals Specifications Ahead of March 23 Launch

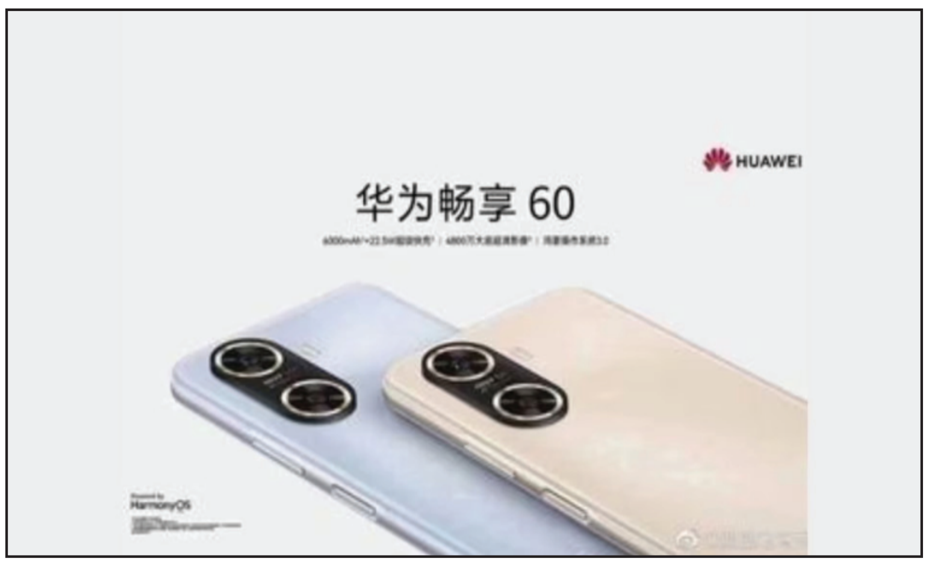

Huawei Enjoy 60, an upcoming mid-range smartphone from Huawei, is expected to launch on March 23, alongside the company's flagship Huawei P60 series and Huawei Mate X3. While the purported Huawei Enjoy 60 has been subjected to various leaks, rumours, and tips in the recent days, there hasn't been much said about the design of the smartphone. However, a latest leaked poster, shared by a tipster, has showcased the design of the smartphone while also revealing some of the key specifications. A tipster took to Chinese microblogging website, Weibo to reveal, reported via HuaweiCentral, to share leaked promotional poster of the upcoming entry-level smartphone. In the poster, Huawei Enjoy 60 is seen sporting a slightly curved back. The promotional poster also seems to reveal that the handset could be backed by a rather large 6,000mAh battery with support for 22.5W charging. An earlier report by Huawei-Central had suggested the smartphone to feature three colour options — Magic Night Black, Dawn Gold, and Ice Crystal Blue. The smartphone is being tipped to sport a 6.75-inch waterdrop LCD which could offer 1600x720 pixels resolution, and a 90Hz refresh rate. Huawei Replaced Over 13,000 Parts Hit by US Trade Sanctions, Says Founder The entry-level smartphone, Huawei Enjoy 60, could reportedly be made available supporting 8GB RAM and 128GB or 256GB of internal storage. In terms of optics, the Huawei Enjoy 60 could get a dual camera rear setup led by a 48-megapixel main sensor alongside a 2-megapixel sensor. For selfies, the smartphone is said to feature an 8-megapixel senor placed in a centrally-aligned notch on the top of the display. The device is also being rumoured to be equipped with an entry-level Kirin SoC, which could be the Kirin 710A SoC. Huawei, ZTE Ban Would Impact Mobile Networks in Germany, Fears Ministry Huawei Mate X3 Teased to Feature a Light Yet Durable Design March 2023 seems to be really busy time for Huawei as the Chinese smartphone manufacturer is also gearing up to launch the Huawei Mate X3 foldable smartphone alongside Huawei P60 series. The launch event is confirmed to take place on March 23.

WhatsApp rolls out 'groups in common' section within search bar for beta users

Meta-owned messaging platform WhatsApp is rolling out a new feature for some beta testers on Android and iOS which allows users to see a list of groups they have in common with the contact they are searching for. Also Read - WhatsApp working on new chat attachment menu for Android users Beta users will see a new 'Groups in common' section when searching for contacts within the search bar, reports WABetaInfo. Also Read - WhatsApp may limit polls to only one choice for Android The new feature gives users more information when searching for contacts within the search bar. Also Read - WhatsApp to introduce a new feature on iOS to let users extract text from images It is currently available for some testers, and is expected to be rolled out to more users over the coming days, the report said. This feature is the same as the one rolled out on WhatsApp Desktop, which allows users to see the groups they have in common with their contacts without opening their chat information to see the list of groups in common. Meanwhile, last week, it was reported that the messaging platform was rolling out a new "approve new participants" feature in group settings for some beta testers on Android and iOS.

Poco F5 5G tipped to launch on April 6 in India

Poco recently launched the Poco X5 series in the Indian market. Now, it is expected to bring the Poco F5 5G series into the country. Ahead of any announcement, a fresh leak has revealed the phone's launch date for India and has also revealed some expected specifications. Also Read - Poco X5 5G with Snapdragon 695 and IP53 launched in India The Poco F5 5G is said to be a rebranded Redmi phone from China. It could be the first phone in the country to come with Snapdragon's latest 7+ Gen 2 chipset. Let's take a look at the details. Also Read - Poco F5 Pro specs are here: Snapdragon 8+ Gen 1, bigger battery, and more Poco F5 5G India launch date (rumored) According to 91mobiles, the Poco F5 5G will launch on April 8 in India. However, the report suggests taking the information with a pinch of salt. That said, although we have an idea of its release, let's wait for the brand to officially confirm it. Also Read - Poco X5 5G India launch confirmed for March 14 As per the said date, Poco should start the promotional campaign for the device by the end of this month. Poco F5 5G specifications (expected) The Poco F5 5G is reported to be a rebranded Redmi Note 12 Turbo that will soon launch in China. The device is said to come with a 6.67-inch AMOLED display with a Quad-HD+ resolution. This will be the first Poco device to feature a 2K panel. It will support a 120Hz refresh rate and is said to have HDR10+ certification. It may also have 1400 nits of brightness and 1920H PWM dimming support. The Redmi Note 12 Turbo will launch with the latest chipset by Qualcomm. It is said to come powered by a Snapdragon 7+ Gen 2 SoC paired with 12GB of RAM and 256GB of internal storage. As for cameras, the device will likely come with a triple camera setup with a 50MP main lens, an 8MP ultra-wide lens, and 2MP auxiliary sensor. It is expected to pack a 5,550 mAh battery with support for 67W fast charging. It could also feature 30W wireless charging support. The smartphone will boot on Android 13 OS

Carl Pei jots differences between Phone (1) and Pixel 6a after a netizen asks 'Is it better

Ever since Nothing Phone 1's launch, it's been compared to almost every smartphone that has similar specs, design, or price range. Thanks to the device's affordable pricing, one of the devices that it gets compared to most is the Google Pixel 6a. Also Read - Nothing Ear (2) India price leaked before launch on March 22 That's pretty obvious because it's Google after all and it offers pure Android, not that the Phone (1) doesn't offer clean UI. But why would you buy a device from a new brand rather than going for a product from an established brand? Also Read - Nothing Phone (1) receives Nothing OS 1.5.3 update: How to download Especially in markets like the US where there's hardly any choice other than relying on established brands like Samsung, Apple, and now Google. Also Read - Nothing Ear (2) to come with LDAC 5.0 and IP54 rating Even in the Indian market, people may lean more towards a Google device keeping in mind the brand's name. Now, Nothing's CEO Carl Pei finally confronted this ongoing comparison between the two devices. He listed down around seven points about the Phone (1) that makes it better than the Pixel 6a. Starting with the display, he said the Phone (1) offers symmetrical bezels around the screen as opposed to Pixel 6a's larger chin. He added that the Nothing device also has a more premium Gorilla Glass 5 back and a faster processor. Furthermore, he compared the 120Hz screen refresh rate with Pixel's 60Hz screen and also added that the larger display on the Phone (1) offers better media consumption. Lastly, he said that he likes Nothing OS better than Pure Android, and the faster wired and support for wireless charging on the Phone (1) are added advantages. Nothing Phone (1) specifications The Nothing Phone (1) features a 6.55-inch OLED display with an FHD+ resolution of 1080 x 2400 pixels. It has a 120Hz refresh rate and HDR10+ certification. The front and back have Corning Gorilla Glass protection. It boasts a dual camera setup on the rear with a 50MP main lens and a 50MP ultra-wide lens. It has support for 4K video recording at 30fps. There's a 16MP camera on the front for selfies. Under the hood, it is powered by Qualcomm's Snapdragon 778G SoC paired with up to 12GB of RAM and 256GB of internal storage. It packs a 4,500mAh battery with 33W wired and 15W wireless charging. The device boots on Android 13 but it recently received an Android 13 update. Not to forget, the Phone (1) also has an IP53 rating for dust and

कनाडा में आंतरिक सुधार जरूरी

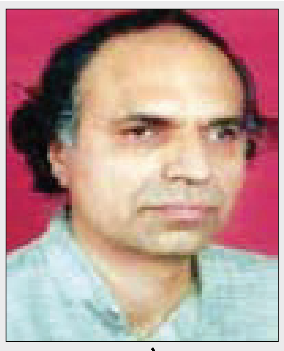

भारत डोगरा

वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक स्टीवर्ट बेल ने एक पुस्तक लिखी है, जिसका शीर्षक है- 'कोल्ड टैरर-कनाडा नरचर्स एंड एक्सपोर्टस टैररिज्म थ्रूआउट द वर्ल्ड'। इसमें उन्होंने लिखा है कि कनाडा की आतंकी समस्याओं के कारण बहुत हिंसा हुई है, लोग मारे गए हैं। इससे कनाडा में समस्याएं बढ़ गई हैं, और कुछ समुदायों पर उग्रवादियों ने अपना नियंत्रण बढ़ा लिया है।

तेईस जून, 1985 को कनिष्क एअर इंडिया 182 विमान में उड़ते समय भयंकर विस्फोट हुआ जिससे हवाई जहाज अटलांटिक सागर में आयरलैंड के तटीय क्षेत्र के पास गिरा और उसमें सवार सभी 329 व्यक्ति मारे गए। इनमें से अधिकतर भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे।

जिन परिवारों के सदस्य मारे गए आज भी उन्हें न्याय नहीं मिला। इसके अतिरिक्त, यह भी समय-समय पर प्राप्त होने वाले तथ्यों से स्पष्ट होता रहा है कि यदि कनाडा की गुप्तचर और पुलिस एजेंसियों ने समुचित कार्रवाई की होती तो बड़ी संभावना यह होती कि इस हादसे को रोका जा सकता था। कनाडा के पब्लिक सेफ्टी मंत्रालय ने ओंटारियो के पूर्व मंत्री बाब रे को इस त्रासदी की जांच का काम सौंपा था। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि कनाडा गुप्तचर संस्थान (सीएसआईएस-कनाडियन सेक्युरिटी इंटेलीजेंस सर्विस) के अधिकारियों ने ऐसे दो खालिस्तानियों का पीछा किया जो उनके संदेह के दायरे में थे। दोनों एक टापूनुमा वीरान जंगली क्षेत्र में पहुंचे। यहां तक गुप्तचरों ने उनका पीछा किया। फिर जहां ये खालिस्तानी गए थे वहां से बड़े धमाके की आवाज आई। कोई बच्चा भी कहेगा कि इस धमाके की आवाज आने से पूछताछ की जरूरत और बढ़ गई थी पर इन गुप्तचरों ने ऐसा कुछ नहीं किया और आगे कोई कार्रवाई ही नहीं की। अब जब अन्य तथ्य सामने आ चुके हैं तो स्पष्ट है, जैसा कि जांच रिपोर्ट में भी कहा गया है, कि यह सुनसान इलाके में बम टेस्ट करने का प्रयास था क्योंकि दो वायुयानों में बम रखने की तैयारियां उस समय पूरे जोरों पर थीं। यदि समय पर इन खालिस्तानियों से भली-भांति पूछताछ कर ली जाती तो षड़यंत्र को उसी समय रोक पाने की संभावना थी।

एक अन्य बड़ा मुद्दा है कि गुप्तचर एजेंसी सीएसआईएस ने पहले टेपों पर खालिस्तानी षड़यंत्रकारियों की बहुत सी बातचीत रिकार्ड भी की थी और फिर इससे पहले कि इस रिकार्डिंग का समुचित विश्लेषण हो पाता, इनको नष्ट कर दिया गया। जांच रिपोर्ट ने इस बारे में इस केस की सुनवाई कर रहे जस्टिस जैसिफसन की टिप्पणी की ओर ध्यान दिलाया है, जिन्होंने इसे ऐसी लापरवाही बताया था, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। आखिर, इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हो गई, इस पर चर्चा हुई तो सीएसआईएस का यह पक्ष सामने आया कि उसके एक एजेंट ने खालिस्तानी षड़यंत्रकारियों में घुसपैठ कर ली थी, हालांकि कनिष्क हादसे से तीन दिन पहले उसे अलग कर लिया गया। सीएसआईएस का पक्ष, जो प्रकाशित रिपोटरे में बताया गया है (जैसा बीबीसी की एक रिपोर्ट में भी छपा) कि उसने अपने इस एजेंट के बचाव के लिए टेप नष्ट किए।

पर ज्यादा महत्त्वपूर्ण बात यह है कि एजेंट के पास जो जानकारी थी, उसका भरपूर उपयोग किया जाता तो इतना समय जरूर मिलता कि षड़यंत्र का पता लगा कर उसे नाकाम कर दिया जाता। पर ऐसा नहीं हुआ। जांच रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जो जानकारी सीएसआईएस के पास होती थी वह कनाडियन पुलिस (आरसीएमपी) के साथ ठीक से शेयर नहीं की जाती थी। कनाडा के उच्च स्तर के कुछ सुरक्षा अधिकारियों ने इस बारे में गंभीर चिंता व्यक्त करनी आरंभ की कि कनाडा में बहुत से आतंकी संगठनों ने डेरा जमा लिया है।

सीएसआईएस के पूर्व अध्यक्ष वार्ड एलकाक ने अपनी उच्चस्तरीय जानकारी के आधार पर सीनेट की एक विशेष समिति को बताया कि अमेरिका को छोड़ दें तो किसी भी अन्य देश की अपेक्षा कनाडा में अधिक आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि उनका संस्थान सीएसआईएस की आतंक-विरोधी शाखा ऐसे 50 आतंकवादी संगठनों और इनसे जुड़े 350 व्यक्तियों की जांच कर रहा है। उन्होंने आगे बताया कि ये विभिन्न आतंकवादी संगठन आतंकवादी कार्रवाइयों में सहायता देते हैं, आतंकवाद के लिए धन एकत्र करते हैं, प्रोपेगंडा और असत्य (डिसइंफार्मेशन) फैलाने के लिए विभिन्न समुदायों का दोहन-शोषण करते हैं, अप्रवासियों को डराते-धमकाते हैं, आतंकियों के लिए कनाडा में सुरक्षित शरण स्थलों की व्यवस्था करते हैं, आतंकियों की अमेरिका तक आने-जाने की व्यवस्था करते हैं, और अप्रवासियों की तस्करी करते हैं।

यह बयान कनाडा के फ्रेसर इंस्टीट ?ूट की अध्ययन रिपोर्ट में उपलब्ध है, जिसका शीर्षक है 'कनाडा' ज इनएडिक्वेट रिस्पॉन्स टू टेररिज्म'। रिपोर्ट के लेखक हैं मार्टिन कोलाकोट। रिपोर्ट में बताया गया है कि विभिन्न खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों के अतिरिक्त अनेक अन्य तरह के आतंकवादी संगठन भी कनाडा में सक्रिय हैं, और इनका संबंध अनेक अन्य चर्चित आतंकवादी हमलों से भी जुड़ा रहा है। रिपोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि कई महत्त्वपूर्ण संदभरे में कनाडा की सरकार आतंकवाद के नियंत्रण के लिए असरदार कदम उठाने में असमर्थ रही है। रिपोर्ट ने बताया है कि खतरनाक आतंकी संगठनों पर सरकार प्रतिबंध नहीं लगा सकी और यहां तक कि ऐसे कुछ संगठन परोपकारी कार्य का आवरण लगा कर अपना प्रसार करते हैं, उस पर भी काफी समय तक रोक नहीं लग सकी। उनके विरुद्ध असरदार कार्रवाई करने के बहुत कम उदाहरण कनाडा में देखे गए हैं।

इतना ही नहीं, कुछ राजनीतिक दल और नेता भी अपने संकीर्ण स्वार्थी हितों के लिए ऐसी ढील देने की नीति अपनाते हैं। सीएसआईएस की रणनीतिक योजना के पूर्व मुख्य अधिकारी डेविड हैरिस से जब पूछा गया कि क्या कनाडा आतंकवादियों की सुरक्षित शरण स्थली बन रहा है, तो उन्होंने उत्तर दिया कि ऐसी आशंका का बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां 50 आतंकवादी संगठनों की उपस्थिति है, जिनमें से अनेक प्रमुख आतंकवादी संगठन हैं। वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक स्टीवर्ट बेल ने एक पुस्तक लिखी है, जिसका शीर्षक है-'कोल्ड टैरर-कनाडा नरचर्स एंड एक्सपोटर्स टैररिज्म थ्रूआउट द वर्ल्ड'। इसमें उन्होंने लिखा है कि कनाडा की आतंकी समस्याओं के कारण बहुत हिंसा हुई है, लोग मारे गए हैं। इससे कनाडा में समस्याएं बढ़ गई हैं, और कुछ समुदायों पर उग्रवादियों ने अपना नियंत्रण बढ़ा लिया है।

मेजर ग्रेग ले ने कनाडियन फोर्सेज कॉलेज के लिए एक अनुसंधान पत्र लिखा है, जिसका शीर्षक है, 'द इवॉल्यूशन ऑफ टैररिज्म इन कनाडा-इन्क्रीज्ड थ्रेट इन अ कल्चर ऑफ इनडिफेरेंस'। इस अध्ययन में लिखा है कि आतंकियों की हिंसक और जबरदस्ती वाली प्रवृत्तियों से कनाडा के सिख समुदाय की समस्याएं और दुख-दर्द बढ़ गए हैं। बाब रे, जो आनटेरियो के मंत्री रह चुके थे, को कनिष्क त्रासदी की जांच का कार्य सौंपा गया। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में बताया कि सिख समुदाय आतंकियों के दबाव से त्रस्त और परेशान है। इन सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जरूरी है कि कनाडा सरकार आतंकवाद पर नियंत्रण रखने की अपनी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी भली-भांति निभाए।

संपादकीय

भारत-रूस रिश्ते को मजबूती

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तीन दिवसीय रूस यात्रा दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूती देने की दिशा में निस्संदेह बहुत उपयोगी रही. वह वहां सैन्य और सैन्य सहयोग पर भारत-रूस अंतर सरकारी आयोग के 21वें सत्र में भाग लेने गये थे. वह आइएनएस तुशिल की फ्लैग रेजिंग सेरेमनी में भी शामिल हुए, जिसे काफी पहले भारतीय नौसेना में शामिल होना था, लेकिन कोविड, वैश्विक आपूर्ति शृंखला में रुकावट तथा रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से यह टलता रहा था. रक्षा मंत्री ने वहां रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के विभिन्न मुद्दों पर उनसे बात की.

पुतिन से उनका यह कहना मायने रखता था कि भारत और रूस के बीच मित्रता सबसे ऊंचे पर्वत से भी ऊंची और सबसे गहरे महासागर से भी गहरी है. उन्होंने रूसी राष्ट्रपति को यह भी बताया कि भारत पर सार्वजनिक और निजी तौर पर कई तरह के दबाव हैं, इसके बावजूद वह हमेशा अपने रूसी मित्र के साथ खड़ा रहा और भविष्य में भी खड़ा रहेगा. रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच उनके इस बयान का महत्व है. दोनों ने इस पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच साझेदारी में अत्यधिक संभावनाएं हैं और साझा प्रयासों से शानदार नतीजे हासिल किये जा सकते हैं. उनका यह भी कहना था कि दोनों देशों के बीच जी-20, ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ रहा है.

राजनाथ सिंह ने रूसी रक्षा मंत्री आंद्रे बेलासोव से रक्षा मुद्दों पर व्यापक बातचीत की और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली 'एस-400 ट्रंफ' की शेष दो यूनिटों की आपूर्ति जल्दी करने का दबाव भी डाला. यूक्रेन से युद्ध के चलते भारत को दी जाने वाली इन दो यूनिटों की आपूर्ति में विलंब हुआ है. रक्षा मंत्री ने विभिन्न मिलिट्री हार्डवेयर के निर्माण के क्षेत्र में भारत में असीम संभावनाओं की जानकारी दी. रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में अपने एक बयान में कहा है कि रूस और भारत के बीच आपसी सम्मान पर आधारित एक मजबूत और पुरानी दोस्ती है.

इसमें यह भी कहा गया कि जुलाई में मास्को में राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी की हुई बैठक और अक्तूबर में कजान में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकातों के परिणामस्वरूप विशेष रणनीतिक साझेदारी और गहरी हुई है, जिसमें रक्षा क्षेत्र भी शामिल है. राजनाथ सिंह की इस यात्रा का उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में आपसी संबंध को और मजबूत बनाना था, जिसमें वह सफल रहे.

चिंतन-मनन

सम्मान पाने के लिए मर्यादा का पालन जरूरी

संसार में भगवान राम मयार्दा पुरूषोत्तम के रूप में पूजे जाते हैं। इसका कारण यह है कि इन्होंने अपने जीवन में हर रिश्ते के साथ न्याय किया। इन्होंने कभी भी बड़ा होने का अभिमान नहीं दिखाया। इन्होंने छोटे भाइयों को सम्मान दिया और सदैव माता-पिता के आज्ञाकारी रहे। पत्नी की सुरक्षा के लिए रावण से लड़े और राजा के रूप में जनता को महत्व दिया। लेकिन जब कोई व्यक्ति अपनी मयार्दा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है। वर्तमान समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं कि बेटे ने पिता को घर से बाहर निकाल दिया। बेटे ने बाप की संपत्ति हड़प ली। ससुर का अपनी बहू से अनैतिक संबंध है और भाई ने बहन का अपमान किया। जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो मयार्दा का हनन होता है। संसार में रिश्तों की डोर का निर्माण मयार्दा की रक्षा के लिए किया गया था। यही सामाजिक जीवन का आधार भी है।

जब कोई मायार्दा का उल्लंघन करता है तब सामाजिक व्यवस्था बिगडने लगती है और मयार्दा का उल्लंघन करने वाला और मयार्दा का हनन होने वाला दोनों ही अपमानित होता है। जब कोई किसी के साथ अमर्यादित व्यवहार करता है तो उसे भी अमार्यादित व्यवहार ही प्राप्त होता है। उदाहरण के तौर पर गंगा नदी जब तक अपनी सीमा में प्रवाहित होती है उसे माता का दर्जा प्राप्त होता है, लोग इसकी आरती उतारते हैं। लेकिन जब अपनी मयार्दा का उल्लंघन करके तटों को तोड़कर आगे बढ़ती है तब गंगा आदरणीय नहीं रह जाती है। नाले के जल में मिलकर गंगाजल गंदाजल कहलाने लगता है।

विजय दिवस : पराक्रमी भारतीय सेना का साहस

हेमेन्द्र क्षीरसागर

भारत ने पाकिस्तानी सत्ता और सेना के अत्याचार से पीड़ित पूर्वी पाकिस्तान की जनता को अपना सहयोग देकर बांग्लादेश के रूप में एक नए राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1971 का युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच एक सैन्य संघर्ष था जिसमें पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी। इसका आरंभ पश्चिमी पाकिस्तान और तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के बीच सशस्त्र संघर्ष के बीच 3 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान द्वारा भारतीय वायुसेना के 11 स्टेशनों पर रिक्तिपूर्व हवाई हमले किए जाने के परिणामस्वरूप भारतीय सेना पूर्वी पाकिस्तान में बांग्लादेश स्वतंत्रता संग्राम में बंगाली राष्ट्रवादी गुटों के समर्थन देने के निर्णय के कारण हुआ। जिसमें

पाकिस्तान को अप्रत्याशित पराजय का सामना करना पड़ा। इसमें भारतीय सेना द्वारा 93 हजार पाकिस्तानी सैनिक बंदी बना लिए गए और पूर्वी पाकिस्तान, पाकिस्तान के नियंत्रण से मुक्त होकर बांग्लादेश बन गया।

ये युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक युद्ध माना जाता है। इसीलिए देश भर में भारत की पाकिस्तान पर जीत के उपलक्ष में 16 दिसंबर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1971 के युद्ध में तकरीबन 3,900 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे और लगभग 9,851 घायल हुए। युद्ध के 8 महीने बाद अगस्त 1972 में भारत और पाकिस्तान ने शिमला समझौता 1972 किया। इसके अंतर्गत बंदी बनाए गए पाकिस्तानी सैनिकों को वापस पाकिस्तान भेज दिया गया था।

भारत की पराक्रमी सेना के साहस ने पाकिस्तान की सेना के 97,368 सैनिकों को आत्मसमर्पण के लिए विवश किया। इस गौरवशाली दिवस पर स्वयं सेवकों के बल और सामर्थ्य में वृद्धि करने हेतु संघ प्रतिवर्ष 16 दिसम्बर को प्रहार महायज्ञ का आयोजन करता है। इस दिन स्वयंसेवकों को यह स्मरण दिलाया जाता है कि महाराणा प्रताप की भुजाओं में इतना बल था कि उन्होंने तलवार के एक ही वार से बहलोल खान को जिरह-बख्तर, घोड़े सहित काट डाला। रानी दुर्गावती युद्ध के मैदान में घोड़े की लगाम मुँह में थाम कर दोनों हाथों में तलवार लेकर उतरी थीं और शत्रुओं को नाकों चने चबवा दिए। छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपनी तलवार के बल पर आदिलशाही और मुगलशाही से टक्कर लेते हुए हिन्दू साम्राज्य की स्थापना की थी। हम उन्हीं महान पूर्वजों के वंशज हैं। हमारी भुजाओं में वैसा ही बल चिर स्थाई रहे, हम क्षमतावान बने रहें।

एक साथ चुनाव से सशक्त बनेगा देश

सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि हमेशा चलने वाले चुनावों पर विराम लग जाएगा। सरकारों का ध्यान विकास कार्यों की ओर होगा। आचार संहिता की वजह से विकास कार्य ठप्प नहीं होंगे। और सबसे ऊपर हर बार चुनाव में होने वाले बेहिसाब खर्चों पर लगाम लगेगी। चुनाव आयोग से लेकर राजनीतिक दलों का चुनावों पर बेहिसाब खर्च होता है। एक साथ चुनाव से इन खर्चों में कटौती होगी। सुरक्षा बलों को भी लगातार इस राज्य से उस राज्य तक यात्रा करनी पड़ती है। आम लोगों का ध्यान भी चुनाव पर लगा रहता है। यह सब कुछ एक निर्णय से बदल जाएगा।

देश सचमुच बदल रहा है। न सिर्फ बदल रहा है, बल्कि शक्तिशाली हो रहा है। लोकतंत्र सशक्त हो रहा है। वैश्विक स्तर पर देश का मान बढ़ रहा है। देश में आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता आई है। अभी जिस समय देश संविधान अंगीकार करने के 75 साल पूरे होने का उत्सव मना रहा है, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने एक और ऐतिहासिक निर्णय किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ह्यएक देश, एक चुनावङ्क के लिए बनाए गए दो विधेयक को मंजूरी दे दी है। संसद के शीतकालीन सत्र में इसके लिए सरकार दो विधेयक पेश करेगी। इनके जरिए संविधान के अनुच्छेद 82ए, 83, 172 और 327 में संशोधन का प्रस्ताव रखा जाएगा। इससे लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने और लोकसभा व सभी विधानसभाओं के कार्यकाल से जुड़े जरूरी बदलाव किए जाएंगे। केंद्र सरकार ने इससे पहले सितंबर में पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति की रिपोर्ट मंजूर कर ली थी, जिसकी सिफारिशों के आधार पर ये विधेयक तैयार किए गए हैं।

श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने सभी संबंधित पक्षों के साथ विचार विमर्श किया था। उनकी समिति के सामने अनेक विपक्षी पार्टियों ने सारे चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव का विरोध किया था, लेकिन ज्यादातर पार्टियां इस विचार के समर्थन में थीं। चुनाव आयोग और आम लोगों से भी समिति ने राय ली थी। इसके बावजूद सरकार अपने संपूर्ण बहुमत के दम पर एकतरफा तरीके से इन विधेयकों को नहीं पास कराने जा रही है। सरकार इस मामले में आम राय बनाने का प्रयास कर रही है। इसलिए संविधान संशोधन के विधेयक पेश करने के बाद उसे संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी को भेजा जा सकता है, जहां सभी पार्टियों के सांसद इस पर विचार करेंगे। यह समिति सभी संबंधित पक्षों से सलाह मशविरा करेगी और आम लोगों की राय भी लेगी। उसके बाद सहमति बना कर इसे पास कराया जाएगा। वैसे सरकार जब चाहती तब इसे पास करा सकती थी क्योंकि ये साधारण संशोधन हैं, जिनके लिए संसद में साधारण बहुमत की जरुरत है और राज्यों की विधानसभा से मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं है। फिर भी सरकार आम सहमति का रास्ता अपनाएगी।

जिस समय श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में समिति बनाई गई थी तभी से इसे लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष पूछ रहा है कि इसका क्रियान्वयन कैसे होगा? अगर 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ सभी राज्यों के विधानसभाओं के चुनाव कराने हैं तो अगले चार साल में होने वाले विधानसभा चुनावों का क्या होगा? यह भी पूछा जा रहा है कि अगर लोकसभा और सभी विधानसभाओं का कार्यकाल तय कर दिया जाएगा तो बीच में सरकार ने बहुमत गंवाया या सरकार गिरी तब क्या होगा? क्या वहां राष्ट्रपति शासन लगा रहेगा और अगले लोकसभा चुनाव के साथ ही वहां चुनाव होगा? वैसे इन सभी सवालों का जवाब सरकार की ओर से प्रस्तावित विधेयक में मिल जाएगा। परंतु अगर राजनीतिक पूर्वाग्रह छोड़ दें तो इन सवालों के जवाब बहुत मुश्किल नहीं हैं। कुछ विधानसभाओं के कार्यकाल बढ़ा कर और कुछ के कार्यकाल घटा कर सभी विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा के साथ कराए जा सकते हैं।

जहां तक बीच में सरकार गिरने का सवाल है तो पिछले काफी समय से मध्यावधि चुनाव का चलन समाप्त हो गया है। पिछले एक दशक से ज्यादा समय से दिल्ली के एक अपवाद को छोड़ दें तो किसी राज्य में मध्यावधि चुनाव की नौबत नहीं आई है। यह लोकतंत्र की परिपक्वता का प्रतीक है। फिर भी इस संभावना को देखते हुए सकारात्मक अविश्वास प्रस्ताव का प्रावधान किया जा सकता है। यानी सरकार गिरने के साथ ही नई सरकार बनाने का प्रस्ताव भी रखा जाए। इसके बावजूद अगर कहीं सरकार गिरती है और नई सरकार नहीं बनती है तो वहां बचे हुए कार्यकाल के लिए चुनाव कराया जा सकता है। अगर इतने बड़े ऐतिहासिक निर्णय पर अमल करना है तो छोटे छोटे कुछ अपवाद बनाने होंगे।

विपक्ष की ओर से पहले दिन से इस प्रस्ताव का विरोध किया जा रहा है। विपक्ष का विरोध सिर्फ इस कारण से है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इसका प्रस्ताव किया है। विपक्ष को सरकार के हर प्रस्ताव और हर अच्छी पहल का विरोध करना है इसलिए वह विरोध कर रही है। विरोध में विपक्ष की ओर से ऐसे तर्क दिए जा रहे हैं, जिनसे खुद ही विपक्षी पार्टियां कठघरे में खड़ी होती हैं। कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां लोकसभा के साथ सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव को लोकतंत्र विरोधी बता रही हैं। प्रश्न है कि पूरे देश में एक साथ चुनाव कराना लोकतंत्र विरोधी कैसे है और अगर यह लोकतंत्र विरोधी है तो स्वतंत्रता के बाद करीब 20 साल तक चार लोकसभा चुनाव और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कैसे हुए?

क्या देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस के दूसरे नेता लोकतंत्र विरोधी कार्य कर रहे थे? ध्यान रहे आजादी के बाद 1952 में हुए पहले चुनाव से लेकर 1967 के चौथे चुनाव तक देश के सारे चुनाव एक साथ होते थे। उस समय भी अगर कांग्रेस पार्टी ने अपनी संविधान विरोधी सोच में गैर कांग्रेसी राज्य सरकारों को बरखास्त करना नहीं शुरू किया होता तो आगे भी एक साथ चुनाव की प्रक्रिया चलती रहती। लेकिन कांग्रेस को बरदाश्त नहीं हुआ कि राज्यों में उसको हरा कर गैर कांग्रेसी सरकारें कैसे बन गई हैं। सो, उसने अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करके उन सरकारों को बरखास्त किया, जिसकी वजह से एक साथ चुनाव का चक्र टूट गया। उसके बाद गठबंधन की राजनीति के दौर में केंद्र में और राज्यों में भी एक के बाद एक मध्यावधि चुनाव हुए। कहने की जरुरत नहीं है कि नब्बे के दशक का वह दौर देश की राजनीति और अर्थव्यवस्था के लिए सबसे खराब दौर रहा।

देश उस दौर से निकल आया है। अब राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता है और देश प्रगति के रास्ते पर अग्रसर है। इसलिए अब उससे और आगे बढ़ने की जरुरत है। देश की अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र की मजबूती के लिए अगला चरण सभी चुनाव एक साथ कराने का है। ध्यान रहे भारत में चुनावों का ऐसा चक्र बना हुआ है कि हर साल कहीं न कहीं चुनाव होते हैं। इस साल लोकसभा चुनाव के साथ चार राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए और उसके बाद छह महीने में चार और राज्यों के चुनाव हो चुके हैं। अगले साल यानी 2025 में दो राज्यों के चुनाव हैं। उसके अगले साल 2026 में छह राज्यों के चुनाव हैं। उसके अगले साल भी छह राज्यों के चुनाव होने हैं।

इसी तरह साल दर साल चुनाव चलते रहते हैं और चुनाव भले किसी छोटे राज्य का हो लेकिन उस पर राष्ट्रीय दृष्टि लगी रहती है। लोग भी उसमें व्यस्त रहते हैं और विकास के कामकाज या तो ठप्प रहते हैं या उनकी रफ्तार धीमी हो जाती है। राजनीतिक दल संगठनात्मक कार्यों और आम नागरिकों का राजनीतिक, सामाजिक प्रशिक्षण करने की बजाय चुनावों में व्यस्त रहते हैं तो सरकारें सकारात्मक व टिकाऊ विकास के कार्यों की बजाय लोक लुभावन कार्यों में व्यस्त रहती हैं। एक साथ चुनावों के जरिए हर समय चलने वाले चुनावों पर विराम लगाया जा सकेगा और सरकारें टिकाऊ विकास के प्रति ज्यादा समर्पण के साथ काम कर सकेंगी। सरकार जो विधेयक ला रही है उसके मुताबिक लोकसभा के साथ सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव होंगे और उसके एक सौ दिन के अंदर सभी स्थानीय निकायों के चुनाव हो जाएंगे। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि हमेशा चलने वाले चुनावों पर विराम लग जाएगा। सरकारों का ध्यान विकास कार्यों की ओर होगा। आचार संहिता की वजह से विकास कार्य ठप्प नहीं होंगे। और सबसे ऊपर हर बार चुनाव में होने वाले बेहिसाब खर्चों पर लगाम लगेगी। चुनाव आयोग से लेकर राजनीतिक दलों का चुनावों पर बेहिसाब खर्च होता है। एक साथ चुनाव से इन खर्चों में कटौती होगी। सुरक्षा बलों को भी लगातार इस राज्य से उस राज्य तक यात्रा करनी पड़ती है। आम लोगों का ध्यान भी चुनाव पर लगा रहता है। यह सब कुछ एक निर्णय से बदल जाएगा। तभी एक साथ चुनाव कराने का निर्णय ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2014 के बाद से देश बदलने वाले जो ऐतिहासिक निर्णय किए हैं यह भी उसी कड़ी का एक महान निर्णय है।

-एस. सुनील

Indian Constitution has stood test of time : Sitharaman

New Delhi, Dec 16 India's Constitution has stood the test of time in the last 75 years of its existence, even as most of the 50 countries that framed their Constitution around the same time have rewritten or changed features of their Constitutions, Finance Minister Nirmala Sitharaman said on Monday.Initiating the discussion on the 'Glorious Journey of 75 Years of the Constitution of India' in the Rajya Sabha, she paid homage to the 389 members of the Constituent Assembly, including 15 women, who took up the arduous challenge and prepared the Constitution for India in a very challenging environment. The Constitution of India "has stood the test of time," she said. "Today we are extremely proud of the way India's democracy is growing." As the country marks the 75th year of its Constitution, "it is time to reaffirm our commitment to build India, that is Bharat, that shall uphold the spirit enshrined in this sacred document," she said.Stating that India and its Constitution stands out in a separate league of its own, Sitharaman said post second World War, over 50 countries had become independent and they had their Constitution written."But many have changed their constitutions, not just amended them, but literally changed the entire feature of their constitution. But our Constitution has stood the test of time, of course, it yielded itself to very many amendments," she said, adding the amendments were the need of the hour.Chairman Jagdeep Dhankhar said time would not be a constraint and as many speakers willing to speak would be accommodated by extending the duration of the discussion.The Rajya Sabha is functioning today for the first time since almost over two weeks of wasted time over multiple issues

-- BJP's attack on the Congress over alleged links with US businessman George Soros and his anti-India designs and an Opposition notice to bring a motion for the removal of Rajya Sabha chairman Jagdeep Dhankhar accusing him of acting like a government spokesperson.The Rajya Sabha will debate on the issue on Monday and Tuesday.

India, China Special Representatives' talks to be held in Beijing on Dec 18

New Delhi, Dec 16
The Special Representatives of India and China on border issues will meet here on Wednesday to discuss the restoration of the bilateral ties following the October 21 agreement to disengage troops in eastern Ladakh.As agreed, Director of the Office of the Central Commission for Foreign Affairs Wang Yi and India's National Security Adviser Ajit Doval will hold the 23rd meeting of Special Representatives for the China-India Boundary Question in Beijing on December 18,

Chinese Foreign Ministry spokesperson Lin Jian announced here on Monday. According to informed sources, Doval will arrive on Tuesday to attend the crucial talks, which are expected to provide a way forward for the two countries to normalise the relations. Constituted in 2003 to comprehensively address the vexed dispute of the India-China border spanning 3,488 km, the SRs mechanism over the years met 22 times.

Grand Inauguration of Arya Samaj's 150th Foundation Year Celebrations

▶ Commemorative Postal Stamp Unveiled on Maharishi Dayanand Saraswati's 200th Birth Anniversary

New Delhi, 16 December: Arya Samaj, which played a pivotal role in India's cultural and social renaissance, marked the grand inauguration of its 150th Foundation Year celebrations on 15 December 2024 at Bharat Mandapam in New Delhi. The event was inaugurated by Defence Minister Shri Rajnath Singh, with Governor of Gujarat, Acharya Devvrat, gracing the occasion as the Chief Guest.

In his address, Shri Rajnath Singh lauded the contributions of Arya Samaj over the past 150 years and emphasized the relevance of Maharishi Dayanand Saraswati's teachings in today's context. He appreciated institutions like DAV schools and the Gurukul system, which continue to play a crucial role in societal upliftment. Shri Singh unveiled the symbol for the year-long celebrations and expressed gratitude to the Postal Department for issuing the commemorative postal stamp on Maharishi Dayanand Saraswati's 200th birth anniversary.

Chief Guest Acharya Devvrat underscored the continued relevance of Maharishi Dayanand's teachings in addressing contemporary challenges. He praised Arya Samaj's educational institutions, which have successfully carried forward their role in nation-building for the past 150 years.The event was presided over by Shri Surendra Kumar Arya, Chairman of the Gyan Jyoti Parva Organising Committee. He assured Arya Samaj's active support for every progressive step taken by the government. Dignitaries including Shri Dharmpal Arya, Shri Prakash Arya, Shri Rakesh Grover, and Shri Virendra Sachdeva (Delhi BJP President) were also present on the occasion.

Resolutions Passed:

On this occasion, Arya Samaj passed the following significant resolutions:

1. Support for the Waqf Board Amendment Bill:

Arya Samaj expressed strong support for the Waqf Board Amendment Bill, describing it as essential for just administration.

2. Concern over Atrocities on Minorities in Bangladesh: Arya Samaj expressed deep concern over the atrocities faced by Hindus and other minorities in Bangladesh and urged the Indian government to take strict action.

3. Opposition to Caste-Based Census: Arya Samaj opposed caste-based census, stating it poses a severe threat to the unity and integrity of the country.

4. "Gale Lagao" Campaign: To bridge societal inequalities, Arya Samaj announced the launch of the "Gale Lagao" (Embrace) campaign, aimed at integrating the most marginalized sections into the mainstream.

5. "Rishte Bachao, Desh Bachao" Campaign: Highlighting the growing divide within families as a demographic challenge, Arya Samaj called for strengthening relationships through this campaign to protect the social fabric.

The highlight of the event was the unveiling of the commemorative postal stamp on Maharishi Dayanand Saraswati's 200th birth anniversary, released by the Postal Department of the Government of India.

Maharishi Dayanand Saraswati founded Arya Samaj on Chaitra Shukla Pratipada in 1875 in Mumbai. The 150th year will be completed in March next year. To commemorate this milestone, grand events will be organized in Mumbai and Delhi, with over 15,000 Arya Samaj institutions worldwide hosting year-long programs focused on education, social welfare, and cultural preservation.

Baroda BNP Paribas AMC Introduces Baroda BNP Paribas Children's Fund toSecure Your Child's Future

Mumbai, December : Baroda BNP Paribas Asset Management India PvtLtd (Baroda BNP Paribas AMC) has launched a New Fund Offer (NFO) of BarodaBNP Paribas Children's Fund, a solution oriented goal based, equity mutualfund scheme designed to help parents secure their children's future. The solution-orientedfund will open for subscription on 6th December 2024 and close on 20th December2024. The scheme is benchmarked to the Nifty 500 Total Return Index and will bemanaged by Mr. Pratish Krishnan."As a goal-oriented solutionscheme, this fund addresses the crucial question on many parents' minds: 'Havewe saved enough for our child's future?' It's our endeavour to offer a credible,growth-oriented investment option that aims to grow with the child and helpsfulfil the parents' dreams for their children, " said Mr. Suresh Soni,CEO of Baroda BNP Paribas AMC.As a parent, we want the best forour children. But rising costs of education and extracurricular activities canbe expensive. With education costs rising rapidly, it's essential to planahead. Inflation in education costs is 11% per annum, almost double theaverage inflation rate. In the last 20 years, MBA programs have become astaggering 8 times costlier#! The rising cost of education is apressing concern for parents today. Mr. Soni adds, "At projected inflationrates#, say even an engineering degree costing Rs 6 lakh today couldreach Rs 28 lakh in 20 years. Parents can leverage SystematicInvestment Plans (SIPs) with step-up options to potentially accumulate Rs1 crore in 20 years$ just by investing Rs 9,000 seeking toachieve their goals for a secure future for their child."The Baroda BNP Paribas Children'sFund will allocate at least 80% of net assets in the portfolio toequities and equity-related securities, using a comprehensive investmentstrategy that combines a top-down sectoral focus with a bottom-upstock-picking approach. This approach allows the fund to stay market capand sector agnostic, aiming to maximize returns while managing risk. This open ended,solution-oriented Children's scheme comes with a 5-year lock-in period oruntil the child reaches the age of majority, i.e 18 years (whichever isearlier). The clear goal orientation and lock-in period helps investors to stayinvested for long-term. This allows investors to harness the power ofcompounding, ultimately aiming to create wealth to fund their child's dreams.The investment in the scheme canbe made both, by way of lump-sum and Systematic Investment Plan (SIP). Key Highlights: Open for Subscription: 6th to 20th December 2024 Investment Focus: At least 80% in equity-related securities Benchmark: Nifty 500 Total Return Index Goal-Oriented: Helping parents save for children's education and other future needsFor more information, visit [https://www.barodabnpparibasmf.in/] or get in touch withyour AMFI registered investment advisor/ mutual fund distributor.

Green Energy Policy of Telangana is getting ready: CMD

Hyderabad, Dec.16 Musharaff Faruqui, CMD, Telangana Southern Power Distribution Company Ltd said the Green Energy Policy of the Government of Telangana is getting ready and will be released soon.

He was the chief guest at the valedictory function of the International Conference on Clean Energy organised, by the Energy Committee of the Federation of Telangana Chambers of Commerce and Industry (FTCCI), in support of the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of India.Telangana has huge potential in terms of Green Energy. Telangana's potential is unique.

It is a landlocked state. It has specific advantages and challenges. It is the only state in India which gives free electricity to agriculture. It is also the reason why shifting from electricity to green energy is also challenging the officer added.

He unveiled an AI-powered platform brought out by a startup providing actionable insights and empowering consumers to conserve energy & reduce electricity bills.

Emphasis on the school's holistic approach to education

▶ Tulips International School celebrated annual day with great pomp

New Delhi : Tulips International School, Puth Khurd Delhi Bawana Road celebrated its annual day with great enthusiasm and a live display of talent. The event held at the school premises brought together students, teachers and parents in a celebration of creativity, achievement and unity. The event began with the lighting of the lamp by Councilor Anju Aman Kumar from Puth Khurd, Diya Badgel, National Director of AFS India, who was present as the chief guest, Pradeep Grover, President of Tulips International School, Dr. Vandana Tandon, Principal of Kamal Model Senior Secondary School Mohan Garden. Other members of the school management were also present on the occasion. In her welcome address, Co-Chairman Sunita Grover emphasized on the school's holistic approach to education, which combines academic excellence with extracurricular enrichment. At the same time, the cultural programs organized during this time became the center of attraction, in which the students gave many attractive presentations. It highlighted the cultural diversity of India with performances ranging from classical and folk dances to contemporary performances and was received with thunderous applause.The school choir and instrumental ensembles enthralled the audience with a harmonious blend of Indian and western melodies at the concert. In ballet, senior students presented a poignant ballet titled Shadows in the Land Pollution Resonance, which conveyed a powerful environmental message. The event also recognised outstanding academic and extra-curricular achievements through a prize distribution ceremony. Kumar's inspiring speech impressed the audience, while Principal Zahra Ramish Rizvi in her annual report reaffirmed the school's commitment to holistic development, saying that true education lies in nurturing curiosity, courage and compassion. The event concluded with the school anthem, leaving the attendees with a deep nostalgia and a sense of pride in the school's achievements.

IUI vs IVF: Understanding Your Options for Success

When faced with fertility challenges, couples often turn to assisted reproductive technologies (ART) such as Intrauterine Insemination (IUI) and In Vitro Fertilization (IVF). Both options serve different fertility needs and offer different success rates, depending on individual circumstances. Understanding the differences between these two treatments is essential in choosing the right path to parenthood.Dr. Manjunath CS, an Infertility Specialist at Birla Fertility & IVF in Bangalore emphasizes, "IUI and IVF serve different fertility needs. IUI, often the first step, is less invasive and has a 10-20% success rate per cycle for unexplained infertility."IUI is typically recommended as the first step for couples experiencing unexplained infertility or mild fertility issues. In IUI, sperm is washed and concentrated before being directly inserted into the uterus, increasing the chances of fertilization. While less invasive and more affordable than IVF, IUI offers a lower success rate per cycle—typically ranging from 10% to 20%.Dr Manjunath adds, "IVF, offering a 55-65% success rate for women under 35, is preferred for complex cases like tubal blockages or severe male factor infertility." For more complex fertility issues, such as blocked fallopian tubes or severe male infertility, IVF is often the preferred choice.IVF involves fertilizing eggs outside the body and then transferring the embryos into the uterus. With advanced technologies, IVF has a much higher success rate, especially for women under the age of 35, with success rates ranging from 55% to 65%. It offers precision and can address a wide variety of fertility challenges, including issues that IUI cannot solve."While IUI is cost-effective, IVF ensures higher precision through advanced techniques like embryo freezing." Says Dr Manjunath. IUI is a more cost-effective treatment option, but IVF offers a higher level of precision through techniques such as embryo freezing, genetic testing, and sperm injection, making it suitable for more complicated cases. IVF allows for better control over the fertilization process and offers the ability to preserve embryos for future use, providing greater flexibility.

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अभय सिंह सैनी द्वारा आर डी प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स (प्राइवेट) लिमिटेड A -24 सेक्टर 8 नोएडा से मुद्रित एवं नियर शिव मंदिर ग्राम बैंसी (204) नूंह हरियाणा से प्रकाशित संपादक: अभय सिंह सैनी आर एन आई नंबर : HARBIL/2022/87426 (प्रकाशित लेखों के लेखकों की राय से संपादक या प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं) किसी भी वाद विवाद की स्थिति में जिला नूंह न्यायलय ही मान्य होगा

3rd Test : Australia's quicks rattle India on stop-start day in Brisbane

▶ India 51 for 4 (Rahul 33*, Starc 2-25) trail Australia 445 (Head 152, Smith 101, Carey 70, Bumrah 6-76) by 394 runs

Brisbane, Dec 16 Only 33.1 overs were possible on what may have been the stop-startiest day in the history of Test cricket, featuring as many as eight stoppages for rain, but Australia kept alive their hopes of going 2-1 up with two days remaining at the Gabba. They stretched their first-innings total to 445 on the morning of day three before Mitchell Starc, Josh Hazlewood and Pat Cummins ripped out India's top order over the remainder of the day's play, in between the many rain breaks.India went to stumps at 51 for 4, 394 runs adrift of Australia, and their first target when the Test match resumes will be to get to 246 to avoid the follow-on. If they get there, they dramatically improve their chances of getting to Melbourne with the series still level. Rain is expected on days four and five as well, so Australia may be battling time if they're forced to bat again. Australia's last three wickets added 40 runs to their overnight 405 for 7.

There were brief spells of rain either side of the 17.1 overs they took to do so as well as one in between, after Jasprit Bumrah removed Pat Cummins to pick up his sixth wicket of the innings and his 50th in Tests in Australia. Alex Carey, who had raced to 45 on the evening of day two to keep Australia's advantage intact after a three-wicket burst from Bumrah, brought up his half-century and played some resplendent strokes - including an effortless six over wide long-off off Akash Deep - before he was last out for 70. He was out to Akash Deep, who finally got a wicket with the 53rd false shot he had induced in the innings.

Junior team defends Asia Cup title with win over China

▶ India's goalkeeper Nidhi stole the limelight in the penalty shootout, making three sensational saves to help India overcome three-time champions China 3-2 (1-1) and clinch their second consecutive Women's Junior Asia Cup hockey title.

Muscat, Dec 16 India's goalkeeper Nidhi stole the limelight in the penalty shootout, making three sensational saves to help India overcome three-time champions China 3-2 (1-1) and clinch their second consecutive Women's Junior Asia Cup hockey title.

Nidhi's heroics capped off a stellar performance, having already stood tall during regulation time by thwarting multiple attempts from the Chinese forwards as the four quarters ended in a nerve-wracking 1-1 stalemate.While skipper Jinzhuang Tan scored for China in the 30th minute, Kanika Siwach's strike early in the second half (41st minute) brought India back into the game in an intense battle for supremacy. Sakshi Rana gave India a perfect start in the shootout by converting the first attempt, while Nidhi denied China's opener.China fought back as Hao Guoting equalised, and after misses from Mumtaz Khan and Kanika, it was Ishika's top-corner strike that kept India level at 2-2.Nidhi's heroics in the final two attempts, blocking shots from Li Jingyi and Zuo Dandan, set the stage for Sunelita Toppo, who sealed the win with a composed finish to seal a memorable victory for India.Hockey India announced a reward of Rs 2 lakh for every player and Rs 1 lakh for each support staff member.

Simran costliest player in WPL mini-auction

Bengaluru, Dec 16 Mumbai cricketer Simran Shaikh became the costliest player of the Women's Premier League mini-auction after being bought by Gujarat Giants for Rs 1.90 crore even as veteran India player Sneh Rana went unsold.On a day when five teams competed to fill 19 slots from a pool of 120 players to finalise their squads for next year's WPL, the other top money earners were West Indies stalwart Deandra Dottin (Gujarat Giants — Rs 1.70 crore), 16-year-old U19 wicketkeeper-batter G Kamalini (Mumbai Indians — Rs 1.60 crore), Prema Rawat (Royal Challengers Bengaluru — Rs 1.20 crore) and N Charani (Delhi Capitals — Rs 55 lakh).

Delhi Capitals and Gujarat Giants were involved in a bidding war for Simran before the latter raised the bar to net her. Simran, 22, is a middle-order batter. She played a few matches for UP Warriorz during the 2023 WPL season. She made 176 runs in 11 matches for Mumbai in the Senior Women's T20 Trophy in October-November.

All-rounder Dottin, who is currently in India with the West Indies team for the white-ball series, was the costliest among overseas players and was bought by the Giants for the second time in the auction.

'We are in transition' - Bumrah defends India's bowling show

Brisbane, Dec 16 Jasprit Bumrah has defended the rest of the Indian bowling attack who have come under some criticism for the way they have struggled to provide support to him over the course of this Border-Gavaskar Trophy.

"See, we don't as a team point fingers at each other and we don't want to get into that mindset where we are pointing fingers at each other [and say] that 'you should do this, you should do that'.

"Obviously, we, as a team, are going through a transition where new players are coming here and it's not the easiest place to play cricket.

Over here, it's a different atmosphere with this wicket being a different challenge. So yeah, we're not looking at that."Obviously, as a bowling unit, as I said, we are in transition, so it's my job to help the others. I have played a little more than them, so I am trying to help them. But again, everyone will learn through it, will get better and eventually will find different ways. So this is the journey that you'll have to go through."

"We have had conversations but this was the conversation he had with me before we came [to Australia]," Bumrah said of Siraj. "I think when we came here in Perth, as well as the last game, he looked in very good spirits.

He was bowling well and he has picked up a fair few of the wickets. In this game, I think I'll give him credit that he had a little bit of a niggle but he still kept on bowling and still helped the team because he knew if he goes inside and he doesn't bowl, then that team will go under pressure. So I think he has got a great attitude and he has got a fighter spirit that the team loves.

World chess champ Gukesh arrives in Chennai to rousing welcome

Chennai, Dec 16 World chess champion D Gukesh arrived home on Monday to a rousing reception at the airport here, days after he became the youngest player to win the coveted honour.A large number of fans thronged the airport to receive the young chess champion, even as the state government officials, led by Additional Chief Secretary Dr Atulya Misra, welcomed Gukesh.Gukesh arrived from Singapore.The 18-year-old champion expressed joy over his achievement and thanked for the all-round support.The Indian Grandmaster last week became the youngest world chess champion at 18 years after beating title-holder Ding Liren in the last game of a nerve-wracking showdown in Singapore to herald a new era of dominance for the country's chess players.The Tamil Nadu government had announced a cash reward of Rs 5 crore to Gukesh. The "multi-millionaire" tag does "mean a lot" to new world champion D Gukesh but he doesn't play the game for material gains but for that unbridled joy, which he has been able to retain since the time a chess board used to be the "coolest toy" for him.

Kane Williamson ton has England staring down prospect of heavy defeat

▶ England 143 and 18 for 2 (Bethell 9*, Root 0*, Southee 1-4,Henry 1-14) need another 640 runs to beat New Zealand 347 and 453 (Williamson 156, Young 60, Mitchell 60, Bethell 3-72)

Hamilton, Dec 16 Kane Williamson's superb century led New Zealand to a gigantic lead over England on a third day which swung from potential tragedy for the tourists to bizarre comedy for all concerned."Tragedy" is often misused to describe events which are far from it and probably over-states the hamstring injury which forced Ben Stokes from the field mid-over and kept him out of action for the rest of New Zealand's imposing innings.But "comedy" perhaps understates the scenes which followed as England, with Ollie Pope standing in for Stokes as captain, resisted taking the second new ball until 13.4 overs after it was due, 1.4 of those bowled by Harry Brook by the time it was delivered to the middle.Brook had bowled 14 overs in Tests prior to this game, eight on England's previous tour of New Zealand at the start of last year when he claimed his only wicket - Williamson caught behind, no less - and six overs during the 2023 Ashes. The first delivery of this short

spell had Mitchell Santner seeing the funny side as he jabbed it away from his face, then grinning some more after he launched a six over long-off four balls later.